डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-80 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 17 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

ग्राम पंचायत में 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट पर घमासान

जांच में गायब मिलीं फाइलें

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र की अड़ींग ग्राम पंचायत में 39 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस ग्रांट को लेकर उठे सवाल अब बड़े प्रशासनिक विवाद में बदलते दिख रहे हैं। लोकायुक्त, मंडलायुक्त और जिलाधिकारी स्तर तक पहुंची शिकायतों के बीच जिला स्तरीय जांच समिति पंचायत कार्यालय पहुंची और विकास कार्यों से जुड़ी कई पत्रावलियां अपने साथ ले गई, लेकिन 3.5 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे बारातघर की फाइल जांच टीम को उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे संदेह और गहरा गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जांच के बीच ही बारातघर निर्माण की एमबी कर करीब 50 से 60 लाख रुपये की धनराशि निकालने की तैयारी चल रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत का बोर्ड 17 फरवरी से प्रभावी रूप से निष्क्रिय है, 15 में से 12 सदस्य इस्तीफा दे चुके हैं, इसके बावजूद वित्तीय संचालन और भुगतान प्रक्रिया जारी रहने के आरोप लग रहे हैं।

एसडीएम न्यायिक छाता अखिलेश कुमार के नेतृत्व में पहुंची टीम ने पंचायत सचिव से उपलब्ध विकास कार्यों की फाइलें लीं। टीम में बीडीओ छाता और लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता भी शामिल रहे। जांच टीम अब प्रत्येक कार्य का स्थलीय निरीक्षण करेगी। मामले में

अड़ींग पंचायत में करोड़ों के खेल पर सवाल

3.5 करोड़ के बारातघर की पत्रावली जांच समिति को नहीं मिली

12 सदस्य इस्तीफा दे चुके धन निकासी के आरोप

मेरी पंचायत एप में सदस्यों की जगह रोजगार सेवक का नंबर दर्ज

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कॉम्प्लेक्स, 47 लाख की सोलर हाईमास्ट लाइटें, आरओ एटीएम, उपयोगहीन मंडी क्षेत्र, निजी घरों तक डाली गई सीसी सड़कें और कथित अवैध निर्माण भी सवालों के घेरे में हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कई निर्माण बिना ग्रामसभा की सहमति और पारदर्शी प्रक्रिया के शुरू किए गए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि "मेरी पंचायत" एप पर 15 में से 14 सदस्यों की जगह रोजगार सेवक का मोबाइल नंबर दर्ज रहा, जिससे योजनाओं और भुगतान संबंधी सूचनाएं सदस्यों तक नहीं पहुंचीं। इस्तीफा देने वाले कुछ सदस्यों ने दबाव और धमकी के आरोप भी लगाए हैं।

उधर, लोकायुक्त के निर्देश पर मंडलायुक्त द्वारा गठित समिति के समक्ष परिवादी अजीत सैनी ने कथित घपलों से जुड़े दस्तावेज और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की है। ग्रामीणों का आरोप है कि जांच शुरू होने से पहले पंचायत सचिव के तबादले की कोशिश भी जांच को प्रभावित करने की रणनीति का हिस्सा हो सकती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि करोड़ों की ग्रांट पर उठे आरोपों की परतें वास्तव में खुलेंगी या मामला जांच समितियों और फाइलों के बीच उलझकर रह जाएगा।

जिला स्तरीय जांच समित के अध्यक्ष छाता एसडीएम न्यायिक अखिलेश कुमार का फोन बंद होने के कारण संपर्क नहीं हो सका, जबकि समिति सदस्य बीडीओ छाता नरेश कुमार ने बताया कि जांच चल रही है। जांच संबन्धित कुछ फाइलें अभी प्राप्त नहीं हुई हैं ।

वृंदावन में 150 किलो नकली पेड़ा पकड़ा, कराया नष्ट

नकली पेड़ा को नष्ट कराती खाद्य विभाग की टीम।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों के आसपास मिलावटी पेड़ा बेचने आ रहे दो युवकों को आज पुलिस के सहयोग से खाद्य टीम ने पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों ने स्वीकार किया कि वह छटीकरा से पेड़ा लेकर आए हैं और मंदिरों के आसपास स्थित दुकानों पर बेचने जा रहे थे।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में रमणरेती पुलिस चौकी प्रभारी के सहयोग से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सचल दल अरुण कुमार और दलवीर सिंह ने प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान विष्णु पुत्र अमरचंद निवासी छटीकरा के नौकर को स्कूटी पर लदे संदिग्ध पेड़ा के साथ दबोचा। वह स्कूटी यूपी 85 बी डब्लयू 2816 पर प्लास्टिक के चार बोरों में लगभग 150 किलोग्राम संदिग्ध पेड़ा बिक्री को ले जा रहा था।

दूषित पेड़ा प्लास्टिक के बैग में भंडारित था। स्कूटी ले जा रहे कौशल पुत्र सोरन सिंह निवासी जचौदा गोवर्धन और उसके साथ संतोष पुत्र श्याम बाबू निवासी कोसी खुर्द ने बताया कि उनके द्वारा विष्णु पुत्र अमरचंद के यहां से प्लास्टिक के बैग में पेड़ा स्कूटी पर रखकर ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के आसपास की दुकानों पर सप्लाई किया जाता है। खाद्य सचल दल के सदस्य अरुण कुमार ने संदिग्ध पेड़ा का एक नमूना जांच के लिए संग्रहित कर शेष बचे पेड़ा को खाद्य कारोबारकर्ताओं की लिखित सहमति के बाद नष्ट करा दिया गया, इसका अनुमानित मूल्य लगभग 30000 रुपये है। नकली पेड़ा पकड़े जाने की खबर से मंदिरों के आसपास पेड़ों की बिक्री करने वालों में खलबली मच गई।

गंगा नहर विभाग के पचावर भवन का होगा कायाकल्प

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। गंग नहर तंत्र के अंतर्गत वर्षों से उपेक्षा झेल रहे पचावर निरीक्षण भवन के पुनरोद्धार को आखिरकार बड़ा प्रशासनिक सहारा मिल गया है। विशेष सचिव कुलदीप श्रीवास्तव ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को प्रेषित पत्र में मथुरा के इस महत्वपूर्ण सिंचाई ढांचे के पुनरोद्धार के लिए 1.41 करोड़ रुपये की परियोजना को प्रशासनिक- वित्तीय स्वीकृति दे दी है। इतना ही नहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में 1 करोड़ 13 लाख 44 हजार रुपये की धनराशि तत्काल जारी करने का आदेश भी कर दिया गया है। शासन के इस फैसले को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के लिए बड़ी राहत और क्षेत्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार की अहम पहल माना जा रहा है।

निरीक्षण भवन पर 1.41 करोड़ रुपये की लगी सरकारी मुहर

विशेष सचिव कुलदीप श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया गया है कि यह परियोजना "निचली मांट शाखा खंड गंग नहर मथुरा" के अंतर्गत आने वाले पचावर निरीक्षण भवन के पुनरोद्धार से जुड़ी है। शासन ने निर्माण कार्य शुरू करने से पहले तकनीकी स्वीकृति लेना अनिवार्य किया है। डुप्लीकेसी रोकने पर भी विशेष जोर दिया है। आदेश में कहा गया है कि विभाग पहले सुनिश्चित करेगा कि यह कार्य किसी अन्य योजना में पहले से स्वीकृत या प्रस्तावित न हो। वित्तीय स्वीकृतियों और बजट व्यय को लेकर वित्त विभाग के पूर्व शासनादेशों का पालन भी अनिवार्य बनाया गया है।

लंबे समय से जर्जर हालत में पड़े निरीक्षण भवन के पुनरोद्धार से विभागीय निरीक्षण, निगरानी और क्षेत्रीय संचालन गतिविधियों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सूरज के कड़े तेवर लू बनी आफत, लोग घरों में कैद

तपती सड़कों पर पसरा सन्नाटा, थमी वाहनों की रफ्तार

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। सूरज के कड़े तेवर, शरीर झुलसाती धूप, गर्मी और लू आज आम जनजीवन पर भारी पड़ने लगी। रविवार दोपहर को शहर की सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम आवाजाही दिखाई दी। चटक धूप और झुलसाने वाली बयार के कारण बहुत कम लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। कई बाजारों में दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहा, जबकि वाहनों के पहिये और रफ्तार थम गई। तपती सड़कों पर ऐसा माहौल दिखा, मानो शहर की रफ्तार अचानक थम गई हो। आग उगलती हवाओं ने लोगों को घरों में कैद कर दिया। दोपहर की धूप लोगों के लिए दुश्मन बन गई और बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ बेहद कम दिखाई दी। झुलसाती गर्मी के बीच लोग पेड़ों और दुकानों की छांव में राहत तलाशते नजर आए।

गोवर्धन चौराहा से भूतेश्वर रोड़ कृष्णानगर में सूनी पड़ी सड़क।

दोपहर में गर्म हवाओं के कारण अधिकांश लोग घरों से बाहर ही नहीं निकले। वहीं बाइक सवार और रिक्शा चालकों का आवागमन भी सुस्त पड़ गया।

निजी वाहन चालकों ने भी अनावश्यक यात्रा से दूरी बनाई, जिससे शहर के कई मार्गों पर दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहा।

शनिवार सायं मौसम विभाग ने मथुरा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आज मथुरा का

दोपहर की धूप बनी दुश्मन, जरूरी काम भी टाल रहे लोग

अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अगले चार से पांच दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। 19 मई तक यलो और उसके बाद 22 मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

हीटवेब से बचने के लिए किसानों, मजदूरों और खुले में काम करने वाले लोगों को दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और हल्के सूती कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

बांके बिहारी मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

पुरुषोत्तम मास में भक्ति में डूबा वृंदावन

ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन की मनोहर झांकी।

अधिक मास प्रारंभ होते ही वृंदावन में चहल पहल बढ़ी

ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन कर अभिभूत हुए श्रद्धालु

ठा. राधाबल्लभ लाल मंदिर में सुबह होली और सायं को दीवाली

वृंदावन स्थित ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर में सेवायत मोहित मराल गोस्वामी ठाकुरजी की ओर श्रद्धालुओं पर प्रसाद स्वरूप रंग से भरी पिचकारी चलाते हुए।

अधिक मास में वृंदावन की परिक्रमा लगाती विदेशी महिला श्रद्धालु। आस्था को ठेस न पहुंचे, इसलिए एक महिला हाथ में जूता लेकर परिक्रमा करती हुई।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। पुरुषोत्तम (अधिक) मास में मंदिरों की नगरी का भक्तिरस से सराबोर होना शुरु हो गया। आज सुबह श्रंगार आरती के दर्शन करने के लिए ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में सैलाब उमड़ पड़ा। ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर में सुबह आरती के बाद होली खेली गई। मंदिर में ठाकुरजी की ओर से सेवायतों द्वारा रंगों से भरी पिचकारी चलाई गई तो प्रसाद स्वरुप रंगों के पानी का छींटा पाने के लिए श्रद्धालु लालयित हो उठे। पिचकारी चलाने के बाद फूलों की होली खेली गई। इसी मंदिर में सायं को बड़ी संख्या में दीपक जलाकर दीवाली मनाई गई।

अधिक मास के पहले दिन ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन करके श्रद्धालु इतने अभिभूत हो उठे कि मंदिर के आंगन में ऊपर हाथ उठाकर जय-जयकार करने लगे। हर कोई भक्त ठाकुर बांकेबिहारी महाराज को निहारता रह गया। कई श्रद्धालु तो मंदिर से बाहर निकलने को तैयार नहीं थे। सेवायतों द्वारा किए गए श्रंगार की छटा भक्तों को आकर्षित कर रही थी। आज भक्तों की भीड़ अधिक होने कारण बार-बार निजी सुरक्षाकर्मी और पुलिस को मशक्कत करनी पड़ रही थी।

भक्तों का कहना है कि पुरुषोत्तम मास में ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शन मात्र से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरु हो गया। मंदिर के पट खुलने पर श्रद्धालुओं की नजर ठाकुरजी को ओर लग गई। दर्शन होते ही सभी श्रद्धालु जय-जयकार करने लगे। श्वेत कपड़ों से सजाए ठाकुरजी की ओर से सेवायत मोहित मलाल गोस्वामी समेत अन्य ने रंग से पिचकारी से होली खेलना शुरु किया तो मंदिर के आंगन में खड़े श्रद्धालुओं की दीवानगी देखते बन रही थी। रंगों की होली के बाद फूलों की खेली गई। सायं को दीवाली मनाई गई। हर मंदिर में दीपकों के जगमग से अलग ही छटा बिखरी नजर आई।

वृंदावन में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। सीओ सदर का कहना है कि प्रमुख मंदिरों और परिक्रमा मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

अधिक मास में राधे-राधे से गूंज उठा परिक्रमा मार्ग

परिक्रमा मार्ग पर उमड़ी भक्तों की भीड़

भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ पूरा ब्रज

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक प्रारंभ होते ही परिक्रमा मार्ग पर हर कदम पर राधे-राधे गूंजता नजर आया। पूरे ब्रज में आध्यात्मिक उल्लास की अनोखी छटा दिखाई देने लगी थी।

गलियों से लेकर मंदिरों के प्रांगण तक हर ओर "राधे-राधे" और "जय श्री कृष्ण" की गूंज सुनाई दे रही है।

अधिक मास को सनातन धर्म में भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की आराधना का सर्वोत्तम समय माना जाता है। ब्रजभूमि में इसे पुरुषोत्तम मास के रूप में विशेष श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाना शुरु हो गया।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग में भोर से श्रद्धालु नंगे पैर परिक्रमा करते हुए भजन-कीर्तन में लीन दिखाई दिए। कोई परिवार सहित परिक्रमा कर रहा है तो साधु-संत दंडवत परिक्रमा करते नजर आ रहे हैं।

ब्रज के संत महामंडलेश्वर डा. सत्यानंद अधिकारी का कहना है कि अधिक मास में वृंदावन में एक दिन का निवास भी विशेष फलदायी माना गया है। इसी कारण कई श्रद्धालु पूरे महीने वृंदावन में रहकर भजन, संकीर्तन और सेवा कार्य में समय व्यतीत करते हैं। पुरुषोत्तम मास में आने वाले समय में वृंदावन के बाजारों में भी अच्छी खासी चहल-पहल होगी।

चांदी के पालने में विराजे ठाकुर द्वारकाधीश

अधिक मास के पहले दिन चांदी के पालने में भक्तों को दर्शन देते हुए भगवान द्वारिकाधीश।

मंदिर में अधिक मास के विशेष कार्यक्रम हुए शुरू

आराध्य के दर्शन कर श्रद्धालु हो गए निहाल

यूनिक समय, मथुरा। श्री द्वारकाधीश मंदिर में अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) के विशेष कार्यक्रम शनिवार से शुरू हो गए। ठाकुर जी ने प्रातःकाल ग्वाल दर्शन के दौरान चांदी के पालने में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। आज ठाकुर जी लकड़ी के पालने में विराजमान होकर भक्तों को ग्वाल समय में दर्शन दिए। मंदिर के विधि- मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि अधिक मास के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठाधीश्वर) द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि सनातन परंपरा में समय की गणना सूर्य वर्ष और चंद्र वर्ष के आधार पर की जाती है। चंद्र वर्ष में लगभग 354 या 355 दिन होते हैं, जबकि सूर्य वर्ष लगभग 365 दिनों का होता है। इस प्रकार हर वर्ष करीब 10 से 11 दिनों का अंतर आ जाता है, जो तीन वर्षों में बढ़कर लगभग एक महीने के बराबर हो जाता है। इसी अतिरिक्त महीने को अधिक मास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। यह महीना भगवान विष्णु के पास गया, तब भगवान ने इसे अपना नाम "पुरुषोत्तम मास" प्रदान किया। इसी कारण इसे पुरुषोत्तम मास कहा जाता है। उन्होंने बताया कि इस मास की विशेषता यह भी है कि इसमें सूर्य की कोई संक्राति नहीं होती, इसलिए इसे मलमास भी कहा जाता है। इस पवित्र माह में दान-पुण्य, पूजा-पाठ, धर्म-कर्म और पवित्र नदियों में स्नाना का विशेष महत्व माना गया है। मंदिर में पूरे एक माह तक विभिन्न विशेष मनोरथ आयोजित किए जाएंगे।

तापमान / मौसम

43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

30 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,55,140

22 कैरट 1,44,500

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,89,000 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

घर में खड़ी अर्टिगा कार में लगी आग, मचा लोगों में हड़कंप

यूनिक, समय, मथुरा। बरसाना थाना के नदंगांव में बीती रात एक घर की गैलरी मे खड़ी अर्टिगा कार में अचानक आग लग गई। आग से घरेलू सामान भी जल गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। परिवार और ग्रामीणों ने किसी तरह कार में लगी भीषण आग को बुझाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू किया। आग से लाखों रुपये का नुकसान हो गया।

नंदगांव के दिवाकर थोक निवासी मोनपाल के घर की गैलरी में उनकी

अर्टिगा कार खड़ी हुई थी। रात को

आग बुझाने में जुटे लोग

आग से कार सहित लाखों का नुकसान

अचानक कार से धुआं उठते देख परिवार के लोग कुछ समझ पाते, इतने में कार में भीषण आग लग गई। कार में लगी आग को देख परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया, उन्होंने शोर किया। इस पर आस-पास के लोग भी अपने घरों से निकल कर मोनपाल के घर पहुंच गए। परिवार के लोगों ने सबमर्सिबल और बाल्टियों से पानी डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद भी आग ने विकराल रूप ले लिया। फायर ब्रिगेड को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू किया, लेकिन उस समय तक कार के अलावा वहां रखा सोलर सिस्टम और खेती के सामान सहित अन्य सामान जल गया। आग की भीषणता के चलते मकान की दीवार भी चटक गई। सीएनजी कार में लगी आग का शॉर्ट सर्किट अथवा किसी अन्य तकनीकी कारण हो सकता है।

गोवर्धन में सड़क दुर्घटना में सिक्योरिटी गार्ड की मौत

ड्यूटी खत्म करके लौटते समय अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन की एकता गौशाला के निकट ड्यूटी करके गांव लौटते सिक्योरिटी गार्ड को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल सिक्योरिटी गार्ड की इलाज के दौरान मौत हो गई।

जचौंदा गांव निवासी ताराचंद (60) गोवर्धन में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। बताया गया कि सोमवार सुबह वह गोवर्धन से ड्यूटी समाप्त करने के बाद जैसे ही गोवर्धन एकता गौशाला के पास पहुंचे, किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने ताराचंद को गोवर्धन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। अस्पताल प्रशासन ने आधार कार्ड से जानकारी करने के बाद उनके परिजनों को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। ताराचंद की गंभीर हालत को देखते हुए परिवार के लोग उन्हें उपचार के लिए मथुरा के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृत्यु के बाद परिजन शव को अपने घर ले आए। घटना की जानकारी मिलने पर अड़ीग चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरकर आवश्यक कार्रवाई की।

खोजे जा रहे 4.78 लाख डुप्लीकेट मतदाता

ग्राम पंचायत मतदाता सूची में ऐसे मतदाताओं के नाम

आयोग ने भेजी सूची, सत्यापन में हटाए जाएंगे मतदाता

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम पंचायतों के चुनाव फिलहाल टल ही गए हैं, लेकिन टीमें डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन करने में जुटीं हैं। राज्य चुनाव आयोग ने जनपद की ग्राम पंचायतों की सूची में करीब 4.78 लाख ऐसे डुप्लीकेट मतदाता चिन्हित किए हैं। अब ऐसे मतदाताओं का सत्यापन हो रहा है, जिससे इन मतदाताओं को सूची से बाहर निकाला जा सके। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अब होना संभव नहीं है। ऐसे में 26 मई के बाद ग्राम पंचायत, क्षेत्र- जिला पंचायत में प्रशासक नियुक्त होंगे, इसकी उम्मीद अधिक है। अब राज्य चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को दुरस्त कराने का काम शुरू कराया है, इसके लिए पंचानिस्थ कार्यालय को सूची भेजी गई हैं, जिसमें 4,78,818 मतदाता डुप्लीकेट बताए गए हैं, जिनका सत्यापन कराने का काम चल रहा है। ऐसे मतदाताओं में दोहरे नाम वाले अधिक बताए गए हैं। कार्यालय से जुड़े जानकारों के अनुसार, इस सूची में शामिल डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत में इस काम के लिए टीम बनीं हैं। वैसे, अंनतिम मतदाता सूची में जनपद की 495 ग्राम पंचायतों में 13.22 लाख मतदाताओं के नाम शामिल हैं। वैसे, विकास खड वार सर्वाधिक मतदाता बल्देव में हैं, जिनकी संख्या करीब 1.50 लाख है।

ईद और अधिक मास को लेकर थाने में हुई बैठक

थाने में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में मौजूद एसडीएम सुशील कुमार सिंह, सीओ अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर आदि ।

मुस्लिम समाज ने लिया बड़ा फैसला, इस बार नहीं होगी कुर्बानी

यूनिक समय, गोवर्धन। एक माह तक चलने वाले अधिक मास मेले और ईद पर्व को लेकर थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, मुस्लिम समुदाय और विभिन्न गांवों के प्रधानों ने भाग लिया। अधिकारियों ने दोनों पर्वों को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।

एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने अधिक मास मेले के दौरान स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों और आम लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। मुस्लिम समुदाय ने आपसी सहमति से इस बार अधिक मास मेले के चलते बकरीद पर कुर्बानी नहीं देने का निर्णय लिया। मुस्लिम समाज के इस फैसले का बैठक में मौजूद सभी लोगों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। प्रशासन ने आसपास के मुस्लिम बाहुल्य गांव देवसेरस, मुद्सेरस और मढ़ौरा आदि के प्रधानों को निर्देश दिए कि यदि कहीं कुर्बानी की जाती है तो उसके अवशेषों को गहरे गड्ढों में दबाया जाए, ताकि कुत्ते या अन्य जानवर उन्हें बाहर निकालकर खुले में न फैलाएं और माहौल खराब न हो। बैठक में अधिक मास मेले के दौरान बढ़ रहे अतिक्रमण का मुद्दा भी उठा। जल्द ही मुनादी कराकर दुकानदारों को अंतिम चेतावनी दी जाएगी।

बैठक में ईओ गोवर्धन चेतन तिवारी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष लंबरदार, थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर, राधाकुंड नगर पंचायत अध्यक्ष रामपाल मुंशी, व्यापार मंडल अध्यक्ष गणेश पहलवान, रामधन पहलवान सहित सभी समुदायों के लोग मौजूद रहे।

हाईवे पर पकड़ा गया अंतरराज्यीय तस्कर

बिस्कुट के कार्टूनों में छिपाकर ले जा रहे थे शराब

ट्रक से 123 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां पुलिस ने हरियाणा से बंद बॉडी के ट्रक में अवैध शराब की तस्करी करने वाले अंतरराज्ययीय शराब तस्कर को गिरफ्तार कर 123 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की है। ट्रक में बिस्कुट के 278 कार्टून भी बरामद किए हैं।

कोसीकलां पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर रेलवे फ्लाई ओवर क्रांसिंग के समीप चेकिंग के दौरान वहां से गुजरते एक ट्रक को चेकिंग के लिए रोक लिया। पुलिस ने ट्रक

पुलिस के साथ मौजूद हरियाणा से शराब तस्करी करके ले जाता अंतरराज्यीय तस्कर।

की तलाशी की तो उसमें बिस्कुटों के कार्टून भरे हुए थे। पुलिस ने ट्रक की ओर तलाशी ली तो अंग्रेजी शराब की 123 पेटी बरामद हुई। पुलिस ने इस मामले में बबलू कुमार निवासी ग्रामन मंसूरपुर हैलाया थाना गरौला जिला वैशाली बिहार को गिरफ्तार किया है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे क्षेत्र स्थित मुड़ेसी रामपुर के समीप रेलवे ट्रेक पर एक युवक की ट्रेन से कट कर मौत हो गई। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को रेलवे ट्रेक से उठवाकर शिनाख्त का प्रयास किया। काफी देर बाद युवक की शिनाख्त रवि(32) पुत्र चिरंजीलाल निवासी पटपड़ गंज के रूप में हुई। पुलिस ने युवक के परिवारीजनों को सूचना देकर शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

121 ग्राम एल्प्राजोलम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन पुलिस ने 121 ग्राम नशीला पदार्थ के एल्प्राजोलम के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने चेकिंग के दौरान भगौसा जाने वाले मार्ग पर एक अभियुक्त शाहरुख निवासी देवसेरस को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 121 ग्राम एल्प्राजोलम नशीला पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

कवि कुमार विश्वास पहुंचे बांकेबिहारी की चौखट पर

भगवान रंगनाथ मंदिर में भी पूजा-अर्चना की

रिक्शा में बैठकर वृंदावन में भ्रमण किया

ठाकुर बांकेबिहारी महाराज मंदिर में दर्शन कर जयकारे लगाते गीतकार कुमार विश्वास।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। गीतकार-कवि कुमार विश्वास कल से आज तक वृंदावन और मथुरा की यात्रा पर रहे। उन्होंने सबसे पहले कल वात्सल्य ग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उसके बाद उत्तर भारत के प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर के दर्शन कर परिवार के साथ रिक्शा की सवारी। इस दौरान एक बालिका ने सभी के माथे पर टीका लगाया तो कुमार विश्वास उससे पूछ बैठे कि स्कूल पढ़ने जाती हो या नहीं।

गीतकार ने ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचकर हाजिरी लगाई। उन्होंने ठाकुर बांकेबिहारी महाराज को सिर झुकाकर प्रणाम किया। फिर वह टकटकी लगाए ठाकुरजी की छवि को निहारते नजर आए। हाथ उठाकर जयकारा लगाया। मंदिर में कुमार विश्वास को अपने बीच पाकर भक्त भी काफी खुश नजर आए। मंदिर प्रांगण में ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के सामने उन्होंने भक्ति भाव से एक गीत भी गुनगुनाया। इस दौरान मंदिर के सेवायतों ने उन्हें प्रसादी माला और पटुका पहनाया।

उन्होंने परिवार के साथ रंगनाथ मंदिर और राधा रमण मंदिर में भी दर्शन-पूजन किए।

ब्रज प्रवास के दौरान वह केशी घाट भी पहुंचे, जहां उन्होंने यमुना किनारे काफी देर तक बैठकर यमुना के शांत प्रवाह को निहारा और ब्रज की आध्यात्मिक अनुभूति का आनंद भी लिया। फिर वह मथुरा के लिए रवाना हो गए।

पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिवस पर ठाकुर श्री केशव देव मंदिर में सजा भव्य फूल बंगला

कुमार विश्वास ने सुनाए भजन, श्रद्धालु हुए मोहित

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में पुरुषोत्तम मास में भव्य बंगला और धार्मिक आयोजनों की शुरुआत हुई। मंदिर परिसर में फूल बंगला मनोरथ सजाया गया, शोभा यात्रा से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। फूल बंगला की छटा देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। मंदिर को रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दर्शन कर पुण्य-लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में कवि कुमार विश्वास ने ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज के समक्ष सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा, महेश गोयल, पार्षद नीरज,मनमोहन सर्राफ,नारायण प्रसाद शर्मा, सुरेश अग्रवाल, मुकुटमणि शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चतुर्थ पुण्यतिथि

पथ दिखा गये हम सबको, जब तक साथ रहे इस जग में।
त्याग, तपस्या और सत्य का वास रहा रग-रग में ।।
आज आपकी चतुर्थ पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारीजन आपको अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।
स्व. श्रीमती रतन कुमारी 18-05-2022
श्रद्धानवत्
शैलेंद्र शर्मा-ममता शर्मा, देवेंद्र शर्मा-जमुना कुमारी
अरविंद शर्मा-यशोदा शर्मा (पुत्र/पुत्रवधू)
डॉ0 सरला शर्मा- संजय शर्मा (पुत्री-दामाद) यजन, आशीष, श्रुति, आध्या
एवं समज्ञा शर्मा (नाती-नातिन) श्रद्धा एवं निष्ठा शर्मा (धेवती)
गायत्री परिवार शाखा 15- एबी, कृष्णा नगर, मथुरा
व्हाट्सएप नंबर - 9690617431, 9099067744, 9286023033

भोजशाला में बनी मस्जिद हटाए जाने की उठी मांग

यूनिक समय, वृंदावन। धर्म रक्षा संघ की बैठक में भोजशाला में बनी मस्जिद को तुरंत हटाने की मांग की गई। बैठक में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया गया, जिसमें धार स्थित भोजशाला परिसर को वाग्देवी सरस्वती मंदिर घोषित किया है। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़, धर्म रक्षा संघ मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी ध्यान मूर्ति गिरि, कार्यकारी अध्यक्ष महंत मोहिनी बिहारी शरण और राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश ने हाई कोर्ट के फैसले को हिंदुओं की बड़ी जीत बताया।

जिकड़ी की तान पर झूमे श्रोता

गांव मेघपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिकड़ी भजन प्रस्तुत करती किशोरी।

श्रीमती चरन देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज मेघपुर में हुआ कार्यक्रम

यूनिक समय, फरह। शनिवार रात क्षेत्र के गांव मेघपुर के श्रीमती चरण देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हनुमान जी की मूर्ति स्थापना के मौके पर जिकड़ी भजन आयोजित हुए। गायकों ने धर्म आधारित भजन सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। धार्मिक आस्था और भक्ति भाव से ओत-प्रोत कार्यक्रम में क्षेत्र और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रोता शामिल हुए। जिकड़ी भजन गायन कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा हनुमान के स्मरण और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पूरी रात चले इस जिकड़ी भजन के आयोजन में प्रसिद्ध कलाकार लुढ़कन सिंह, हरिशंकर नानऊ वाले, हेमा, मोतीराम, सुनीता छौंकर, उदयभान अकोला और अन्य कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

जिकड़ी भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और श्रोता पूरी रात भजनों का आनंद लेते रहे। ढोलक और हारमोनियम के साथ धार्मिक भजन सुनकर श्रोता पुलकित नजर आए। संचालन रैतान सिंह तरकर ने किया। विद्यालय प्रबंधक झम्मन लाल और प्रधानाचार्य ठाकुर अंतराम सिंह ने सभी क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। कहा कि क्षेत्रवासियों के सहयोग और सहभागिता से यह धार्मिक आयोजन भव्य- सफल रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, ग्रामवासी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मथुरा में खुले पड़े नालों को ढकने का काम शुरु

यूनिक समय, मथुरा। सफाई के बाद खुले पड़े नालों को ढकने के काम नगर निगम ने शुरु कर दिया है। जेसीबी के माध्यम से नालों पर मोटे-मोटे पत्थर डालने का काम शुरु कर दिया है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों में गोवर्धन चौराहा के निकट खुले पड़े वाले में मां और बेटी गिर गई थी। समय रहते दोनों को सकुशल निकाल लिया गया। अब नगर आयुक्त जगप्रवेश ने बारिश से पहले सफाई के बाद खुले पड़े नालों को ढकने के निर्देश दिए। इन निर्देश के बाद नालों को ढकने का काम शुरु हो गया।

नालों को ढकने का काम करती नगर निगम की टीम।

अधिक मास से व्यापारियों के चेहरे पर चमक बढ़ी

सैंकड़ों जगह श्रीमद भागवत कथा और रासलीला

तीन सौ करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान

यूनिक समय, मथुरा। आज से शुरु हुए अधिक मास में बृज अंचल कृष्ण की भक्ति में सराबोर हो जाएगा। बृज अंचल के कोने-कोने में कहीं न कहीं श्रीमद भागवत कथा और रासलीला का आयोजन होगा।

देश भर के विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या श्रद्धालुओं बृज भूमि में पहुंच गए हैं अथवा एक या दो दिन में पहुंचने वाले हैं। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव, बल्देव, गोकुल समेत अन्य स्थानों के होटल, आश्रम और धर्मशालाओं में कमरों की बुकिंग हो चुकी है। अधिकमास में बृज क्षेत्र में करीब 300 करोड़ रुपये से अधिक कारोबार होने का अनुमान लगाया जा रहा है। जानकारों की मानें तो अधिक मास में प्रख्यात कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी, ठाकुर देवकीनंदन महाराज, संजीव कृष्ण ठाकुर, अनिरुद्धाचार्य महाराज, इंद्रेश महाराज और श्रीकृष्ण चंद्र ठाकुर सहित अनेक संतों और कथा प्रवक्ताओं की कथा के कार्यक्रम होने वाले हैं। अधिकमास के शुक्लपक्ष और कृष्णपक्ष में वृंदावन समेत पूरे ब्रज क्षेत्र में बड़ी संख्या में भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ, श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ, यमुना चुनरी मनोरथ, विशेष श्रृंगार, झांकियां और मंदिर उत्सव होंगे।

पुल न अंडरपास, राह में फाटक बाधा

रेलवे फाटक बना लोगों लोगों के लिए मुसीबत

फाटक बंद होने की वजह से लोगों का समय बर्बाद होता है। ऐसे में वाहन चालक शार्ट-कट अपनाते हैं। रविवार को हनुमान मंदिर रेलवे फाटक के नीचे से बाइक निकालता सवार।

फाटक बंद होने पर लगती वाहनों की लंबी कतार

आधे से पौन घंटे का समय खर्च होता है फाटक पार करने में

एक के पीछे कई ट्रेन के दौड़ने से वाहनों की लगती है लाइन

यूनिक समय, फरह। राष्ट्रीय राजमार्ग और करीब चार दर्जन गांवों के मिलन में रेलवे का फाटक बाधा बना हुआ है। एक के पीछे कई ट्रेन दौड़ने से फाटक आधे से पौन घंटे तक बंद रहता है, जिससे कस्बा और गांवों के लोग परेशान है। फाटक खुलने के इंतजार में वाहन चालकों को आधा से पौन घंटे का समय खर्च करना पड़ रहा है। ऐसे में रेलवे फाटक खुलने तक वाहनों की लाइन लंबी हो जाती है। सड़क के मध्य में डिवाइडर नहीं होने से फाटक के सामने वाहनों की पूरी फौज लग जाती हैं, जो फाटक खुलने के बाद दूसरी ओर निकलने वाले वाहनों के निकलने में बाधा बनती है।

कस्बा के समीप संचालित दीनदयाल रेलवे स्टेशन का फाटक आज-कल वाहन चालकों और विद्यार्थियों के लिए सिर का दर्द बना है। आगरा- मथुरा खंड के सभी रेल फाटकों के स्थान पर अंडरपास पुलिया बन गईं हैं, लेकिन गेट नंबर 518 को ऐसे ही छोड़ दिया है।

यहां न पुलिया बनाई गई, न अंडरपास बनाया गया। इस वजह से फाटक के दूसरी ओर बसे चार दर्जन गांवों के लोगों को कस्बा की ओर आने के लिए हर दिन आधा से पौन घंटा का समय तो फाटक के खुलने में खर्च करना पड़ता है, ऐसा ही कस्बा से दूसरी ओर जाने वालों के साथ होता है। दीनदयाल धाम स्थित विद्यालय में अपने बच्चों को छोड़ने के लिए जाने वाले देवेंद्र कुमार ने बताया कि सुबह हर दिन फाटक को खुलने के लिए रुकना पड़ता है। दीनदयाल धाम के राहुल का कहना है कि आगरा-मथुरा रेल खंड पर सभी फाटक बंद हो गए, लेकिन कस्बा का यह फाटक राजनीति की वजह से अंडरपास का स्थान नहीं ले सका। जल्दी निकलने की वजह से बाइक सवार फाटक के नीचे से वाहन निकालते हैं, जो किसी दिन हादसे की वजह बन सकती है।

कस्बा फरह के गौरव तो फाटक के स्थान पर पुलिया या अंडरपास नहीं बनाए जाने से भाजपा से नाराज हैं। कहते हैं कि सांसद और विधायक ने इस क्षेत्र के लिए कोई काम नहीं किया है। केवल खड़ंजा और सीसी रोड बनवाने वाले जनप्रतिनिधि? जनता की वास्तविक समस्याओं की ओर जानकर ध्यान नहीं देते हैं।

भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक है भागवत

भागवत कथा से पहले शोभायात्रा निकालते हुए भक्तगण।

पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिन निकली भव्य शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। पावन पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिवस पर चामुंडा स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में जनता के सहयोग से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा से पूर्व भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भागवत प्रवक्ता मुकेश चंद्र शास्त्री के सानिध्य में निकली शोभायात्रा सुबह चामुंडा क्षेत्र से प्रारंभ होकर पंचवटी होते हुए राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची। कथा के मुख्य यजमान राजकुमार गौतम और श्रद्धालु पूरे मार्ग में राधे-राधे का कीर्तन करते हुए चल रहे थे। बैंड-बाजों की मधुर धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए।

लोगों ने श्रद्धालुओं का पटका पहनाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना और पोथी पूजन के बाद सच्चिदानंदरूपाय श्लोक के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। प्रथम दिवस पर भागवत प्रवक्ता ने भागवत महात्म्य का महत्व बताते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत जीव को मृत्यु के भय से मुक्त कर भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है। उन्होंने कहा कि भागवत भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक है। इस अवसर पर चंद्रकांत शर्मा, पुन्नी पंडित, नारायण गौतम, सुरेश खंडेलवाल, दिलीप वर्मा,नारायण प्रसाद शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जनगणना ड्यूटी से बचने को दफ्तरों के चक्कर लगा रहे कर्मचारी

महिला कर्मचारी बता रहीं अलग-अलग मजबूरियां

सिफारिश और जुगाड़ से ड्यूटी कटवाने की कोशिश

अधिकारियों ने कहा- लापरवाही पर होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सात मई से जनगणना का पहल चरण शुरू हो गया है, जनगणना में लगाए गए अधिकांश कर्मचारी अपनी-अपनी ड्यूटी निभाने में जुटे हैं, लेकिन काफी कर्मचारी ड्यूटी कटवाने के लिए अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा महिला कर्मचारी शामिल हैं, जो अलग-अलग कारण बताकर ड्यूटी हटाने की मांग कर रही हैं। कोई छोटे बच्चे की परेशानी बता रही है तो कोई अपनी तबीयत खराब होने की बात कह रही है। कुछ कर्मचारी पति की बीमारी का कारण बता रही हैं। कई महिला कर्मचारी अधिकारियों से कह रही हैं कि उनकी ड्यूटी जनगणना में न लगाकर स्कूल में ही लगा दी जाए। अधिकारियों के दफ्तरों में इन दिनों प्रार्थना पत्र देने वाले चक्कर लगा रहे है। कुछ महिला कर्मचारी अपने छोटे बच्चों को साथ लेकर भी अधिकारियों के पास पहुंच रही हैं, ताकि उनकी परेशानी देखकर ड्यूटी में राहत मिल सके। वहीं, कुछ कर्मचारी ड्यूटी कटवाने के लिए जुगाड़ लगाने में भी लगे हुए हैं। कई लोग सिफारिश के जरिए अपनी ड्यूटी हटवाने की कोशिश कर रहे हैं।

सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी के पास एक महिला कर्मचारी ड्यूटी कटवाने के लिए पहुंची। कहा कि सर मेरा बेटा छोटा है,अधिकारी के तेवर देख महिला कर्मचारी बिना पूछे चली गई।

सहायक नगर आयुक्त का कहना है कि अब किसी की भी ड्यूटी नहीं काटी जाएगी। प्रशासन का कहना है कि जनगणना बहुत महत्वपूर्ण काम है, सभी कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जो कर्मचारी ड्यूटी में लापरवाही करेंगे, काम में रुचि नहीं लेंगे या बिना अनुमति गायब रहेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस-खनन टीम ने पकड़े पांच ट्रैक्टर ट्रॉली, किए सीज

थाना परिसर में खड़े अवैध खनन में पकड़े गए वाहन।

यूनिक समय, चौमुहां। अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना जैत पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने देर रात राल चौकी क्षेत्र में छापेमारी कर मिट्टी का अवैध रुप से खनन और परिवहन कर रहे पांच ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़कर सीज कर दिया।

एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में अवैध खनन पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। थानाध्यक्ष जैत सोनू कुमार और खनन प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस और खनन विभाग की टीम देर रात राल चौकी क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी मिट्टी से भरी पांच ट्रैक्टर-ट्रॉलियां आती दिखाई दीं। पुलिस और खनन टीम को देखकर चालकों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर पांचों ट्रैक्टरों को रोक लिया।

वाहनों की जांच की गई, तो ट्रॉलियों में करीब तीन वर्ग मीटर मिट्टी लदी हुई थी। चालकों से मिट्टी परिवहन से संबंधित वैध प्रपत्र, ई-टीपी या आईएसटीपी की मांग की गई, तो वे कोई भी वैध कागजात नहीं दिखा सके। बिना किसी रॉयल्टी और प्रपत्र के अवैध रूप से खनिज का परिवहन किया जा रहा था।

थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि बिना वैध प्रपत्रों के उप-खनिज परिवहन किए जाने पर सभी पांच ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सीज कर दिया गया है और आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। छापा मारने वाली टीम में उप निरीक्षक संदीप कुमार और मुख्य आरक्षी महेंद्र कुमार शामिल रहे।

समारोह में सम्मानित हुए धनगर समाज के मेधावी

समाज के मेधावियों का सम्मान करते मुख्य अतिथि तेजू बघेल,जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र धनगर और अन्य लोग

यूनिक समय, मथुरा। मिशन परिवर्तन धनगर समाज के तत्वावधान में "शिक्षा है अनमोल रतन, पढ़ने का सब करो जतन" अभियान को बढ़ावा देने के लिए एक स्थानीय होटल में समाज के मेधावियों का जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि तेजू बघेल, उद्योगपति रुद्रपुर उत्तराखंड ने राष्ट्रीय ध्वज और मां सरस्वती,मातेश्वरी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मेधावियों को सम्मानित किया जाना चाहिए। जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र धनगर ने कहा कि सम्मान मिलने से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है, इसलिए मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान आवश्यक है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष छीतरमल धनगर ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अच्छे संस्कार देने चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. शालिनी बघेल,डॉ. सौरभ बघेल ने नीट परीक्षा में सफलता के टिप्स दिए, निदेशक अंकित बघेल ने आईआईएम में सफलता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। सहायक श्रमायुक्त एमएल पाल, श्रम अधिकारी प्रकाश चंद पाल और अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी मोहित बघेल ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रशासनिक सेवाओं के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर भगवान सिंह धनगर,राधेलाल, मुरारीलाल,भीम सिंह, राम प्रसाद, चंद्रभान, अशोक परिहार, हेमंत, अजय राज, ओम प्रकाश, यादराम सहित समाज के गणमान्य लोग, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

सिविल सोसाइटी का जागरूकता अभियान

मंदिरों की नगरी को जाम से मुक्ति दिलाने की पहल

एक ई-रिक्शा के चालक को समझाते सिविल सोसायटी के सदस्य अभय वशिष्ठ और धनेंद्र अग्रवाल, साथ है यातायात पुलिसकर्मी के साथ ट्रेफिक पुलिस का सिपाही।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में बढ़ती ट्रैफिक समस्या और जाम की स्थिति से आम नागरिकों और तीर्थ यात्रियों को राहत दिलाने के उद्देश्य से रविवार को सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने प्रेम मंदिर क्षेत्र में जागरूकता और योगदान अभियान चलाया। अभियान का मुख्य उद्देश्य वृंदावन को जाम मुक्त बनाना, यातायात व्यवस्था को सुचारु रखना, आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना था।

संस्था के सदस्यों ने विशेष रूप से ई-रिक्शा चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्हें निर्धारित रूट संख्या का पालन करने, वाहन संबंधी आवश्यक दस्तावेज हमेशा साथ रखने, सड़क पर अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि सभी चालक नियमों का पालन करें तो वृंदावन में लगने वाले लंबे जाम से काफी हद तक राहत मिल सकती है। सदस्यों ने प्रेम मंदिर के आसपास यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने प्रशासन से शहर में ट्रैफिक प्रबंधन को और मजबूत करने,ई-रिक्शा संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश लागू करने की मांग की। अभियान में मुरारी स्वामी,सोहन सिंह सिसोदिया, अभय वशिष्ठ,दिलीप पॉल,राकेश खेतान, रविन्द्र शर्मा, कालीचरण ठाकुर, पवन ठाकुर, विष्णु शर्मा, अतुल श्रीवास्तव, पचौरी, शिवम गौतम, डॉ एमडी व्यास, जीतेन्द्र सिंह राणा, विवेक महाजन, विजय महाजन,संजय गोस्वामी, तापेश पाठक, विजय रिणवा, सुधीर शुक्ला,रवि यादव, विवेक आचार्य,अनिल शर्मा, चन्द्रमाणी पांडे, घनश्याम जादौन,अमित गौतम (पिंटू), धनेंद्र अग्रवाल बॉबी, अमित शर्मा, जुगल सक्सेना और प्रमोद खंडेलवाल आदि शामिल थे।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर लोगों को किया जागरूक

सावधानी और अच्छी दिनचर्या से हाई ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

विश्व रक्तचाप दिवस पर मरीज का बीपी चेक करते हुए सीएमएस डा.नीरज अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, यानी बढ़ते रक्तचाप के प्रति जागरूक किया गया।

जिला अस्पताल में लोगों को समझाया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, गलत खानपान, तनाव और कम शारीरिक मेहनत के कारण हाई ब्लड प्रेशर तेजी से बढ़ रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि समय रहते सावधानी बरतकर इस बीमारी से बचा जा सकता है।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ.नीरज अग्रवाल ने बताया कि हाई ब्लड प्रेशर को लोग अक्सर सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह हृदय, किडनी और दिमाग के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। लोगों को खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हुए डॉ. अग्रवाल ने कहा कि खाने में नमक कम इस्तेमाल करना चाहिए।

बाजार में मिलने वाले ज्यादा तेल, नमक और शुगर वाले फास्ट फूड और पैकेट बंद सामान से दूरी बनानी चाहिए। उन्होंने बताया कि हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दाल और बीन्स शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

यह शरीर से अतिरिक्त नमक बाहर निकालने में मदद करते हैं और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखते हैं। उन्होंने कहा कि रोजाना कम से कम 30 मिनट तेज चाल से चलना शरीर के लिए बहुत लाभदायक होता है।

तनाव बढ़ने से रक्तचाप भी बढ़ता है। उन्होंने लोगों को रोज कुछ मिनट गहरी सांस लेने और मन को शांत रखने की सलाह दी। इससे शरीर और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं।

डा.सिद्धार्थ धनगर ने कहा कि अच्छी नींद भी बहुत जरूरी है। रोजाना 7 से 9 घंटे की नींद लेने से शरीर को आराम मिलता है और हृदय सही तरीके से काम करता है।

देर रात तक मोबाइल चलाने और जागने की आदत स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। रक्तचाप दिवस पर जिला अस्पताल में सीएमएस ने लोगों की ब्लड प्रेशर जांच भी की गई और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

मेधावी छात्रों को सम्मानित करते संस्थान के गणमान्य लोग

यूनिक समय, सुरीर। रविवार को जरारा के एक फार्म हाउस में रामशरण निशुल्क शिक्षा संस्थान द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। कक्षा 10 की छात्रा खुशी वर्मा ने 87.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं प्रियंका राघव निवासी जरारा ने 83.5 प्रतिशत अंक हासिल किए।

कक्षा 12 की उमा शर्मा ने 86 प्रतिशत,पूनम राघव ने 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संस्थान और क्षेत्र का नाम रोशन किया। संस्थान के संस्थापक कृष्ण कुमार सारस्वत ने सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रतिमा, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की प्रेरणादायक पुस्तक, डायरी और पेन देकर सम्मानित करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर हरीओम सिंह, बच्चू सिंह, उदल सिंह, जगदीश सारस्वत सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में बार-बार लूज मोशन?

कौन से बैक्टीरिया हैं इसके जिम्मेदार!

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही लूज मोशन यानी दस्त की समस्या आम हो जाती है, खासकर बच्चों और वयस्कों में। यह परेशानी अगर बार-बार हो रही है तो यह संकेत है कि व्यक्ति लगातार बैक्टीरियल संक्रमण की चपेट में है। गर्मियों में लूज मोशन का प्रमुख कारण दूषित भोजन और पानी होता है, जिससे शरीर में हानिकारक बैक्टीरिया प्रवेश कर जाते हैं। एमएमजी अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन बताते हैं कि गर्मी में जल्दी खराब हो जाने वाले बासी भोजन में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। कई बार लोग अनजाने में ऐसे भोजन का सेवन कर लेते हैं, जिससे एस्चेरिचिया कोली, साल्मोनेला, शिगेला और कैम्पिलोबैक्टर जेजूनी जैसे बैक्टीरिया शरीर में पहुँचकर आंतों को प्रभावित करते हैं।

ये बैक्टीरिया सिर्फ बासी खाने से ही नहीं, बल्कि अधपके मांस, पोल्ट्री उत्पाद और खुले में रखे गए खाद्य पदार्थों से भी शरीर में पहुँच सकते हैं। इसके अलावा सड़क किनारे मिलने वाले स्ट्रीट फूड और साफ-सफाई की कमी भी इसके लिए जिम्मेदार होती है। डॉ. रंजन के अनुसार गर्मी में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी थोड़ी कमजोर हो जाती है, जिससे बैक्टीरिया जल्दी प्रभाव डालते हैं और लूज मोशन की स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इससे शरीर में पानी और जरूरी खनिजों की भारी कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि हम अपने खानपान और स्वच्छता को लेकर सतर्क रहें। हमेशा घर का ताजा और स्वच्छ भोजन ही करें, बासी या बाहर का खाना बिल्कुल न खाएं। केवल उबला या आरओ फिल्टर किया गया पानी ही पिएं। खाने से पहले और टॉयलेट के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना चाहिए। फल और सब्जियों को इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह धोना चाहिए। यदि दस्त के साथ बुखार, उल्टी या पेट में तेज दर्द हो रहा हो तो समय गंवाए बिना डॉक्टर से संपर्क करें। गर्मी में थोड़ी सी लापरवाही गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। सही आदतें और सावधानी अपनाकर लूज मोशन जैसे संक्रमण से आसानी से बचा जा सकता है।

सुबह नाश्ते में बनाएं मूंग-पालक का चीला

सेहत और स्वाद का अनोखा मेल

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप नाश्ते में रोज़ाना कुछ नया, हेल्दी और स्वादिष्ट ट्राय करने की सोच रहे हैं, तो मूंग-पालक का चीला आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह चीला न सिर्फ प्रोटीन और आयरन से भरपूर है, बल्कि इसे बनाना भी बेहद आसान है। मूंग दाल में प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, वहीं पालक आयरन और विटामिन का अच्छा स्रोत है।

इन दोनों के मेल से बना यह चीला एक संपूर्ण और संतुलित नाश्ता बन जाता है, जो शरीर को दिनभर ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है।

इसके लिए सबसे पहले एक कप बिना छिलके वाली मूंग दाल को 2 से 3 घंटे या फिर रातभर के लिए भिगो दें। दाल जब अच्छी तरह फूल जाए तो उसे पानी से निकालकर अदरक, हरी मिर्च और थोड़े से पानी के साथ ब्लेंडर में दरदरा पीस लें। इसके बाद इस पेस्ट में बारीक कटा हुआ एक कप पालक, आधा चम्मच जीरा, एक चौथाई चम्मच हींग, हल्दी और स्वादानुसार नमक मिलाएं। यदि घोल ज्यादा गाढ़ा लगे तो उसमें थोड़ा पानी और मिलाकर बैटर को डोसे जैसा बना लें। अब नॉन-स्टिक तवे को गरम करें, उस पर हल्का सा घी या तेल लगाएं और एक बड़ा चम्मच बैटर डालकर गोल आकार में फैलाएं। मध्यम आंच पर दोनों ओर से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

तैयार चीले को हरी चटनी, टमाटर सॉस या दही के साथ गरमागरम परोसें। यह हेल्दी नाश्ता बच्चों और बड़ों दोनों के लिए उपयुक्त है और वजन घटाने वालों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। मूंग-पालक का चीला स्वाद और सेहत का ऐसा संयोजन है जिसे आप अपने नाश्ते में नियमित रूप से शामिल कर सकते हैं।

कम करना चाहते हैं हाई ब्लड प्रेशर का खतरा

यूनिक समय, मथुरा। कम उम्र में भी लोग हाई ब्लड प्रेशर की समस्या की चपेट में आने लगे हैं और ये बात वाकई में चिंता का विषय है। हाई ब्लड प्रेशर की वजह से आपकी हार्ट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है और आपको दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियां होने का खतरा भी बढ़ सकता है। हाई बीपी की समस्या से बचने के लिए आपको रोजाना कुछ छोटे-छोटे स्टेप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए।

उच्च रक्तचाप की समस्या से बचने के लिए आपको हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करने की कोशिश करनी चाहिए। पोषक तत्वों से भरपूर फल-सब्जियां खाएं और फास्ट फूड्स-तले और भुने खाने से दूरी बनाएं। इसके अलावा आपको अपने डेली रूटीन में किसी न किसी फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इन्वॉल्व होना चाहिए। वॉकिंग, साइकिलिंग या फिर स्विमिंग जैसी किसी भी फिजिकल एक्टिविटी को डेली रूटीन में शामिल करके ब्लड प्रेशर के खतरे को कम किया जा सकता है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचना चाहते हैं, तो आपको स्ट्रेस को मैनेज करना सीखना होगा। योग, मेडिटेशन या फिर डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज की मदद से तनाव पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। हाई बीपी से बचने के लिए और दिल की सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए शराब या फिर सिगरेट पीने की आदत को छोड़ देने में ही समझदारी है।

संस्कारों और आत्मबल के शिल्पकार हमारे पिता

यूनिक समय, नई दिल्ली। फादर्स डे हर साल जून के तीसरे रविवार के दिन मनाया जाता है। आइए इस फादर्स डे आपको बच्चों के जीवन में पिता की भूमिका के बारे में बताते हैं।

15 जून यानी आज के दिन को फादर्स डे के तौर पर मनाया जा रहा है। बच्चों के सही पालन पोषण में मां के साथ-साथ पिता भी एक अहम रोल निभाते हैं।

अक्सर मां के बारे में तो बहुत बात की जाती है लेकिन पिता के बारे में उतनी बात नहीं होती। भले ही पिता मां की तरह अपने प्यार को दर्शाना न जानते हों लेकिन फिर भी बच्चों के जीवन में पिता की बेहद जरूरी भूमिका होती है।

बच्चे पिता को जीवन के कई पड़ावों पर हिम्मत न हारते हुए और परिस्थितियों का डटकर सामना करते हुए देखते हैं। पिता बच्चों की पर्सनालिटी पर इतना गहरा प्रभाव डालते हैं कि बच्चे उनकी तरह ही बनना चाहते हैं।

जैसे पिता अपने परिवार और मुसीबत के बीच में दीवार बनकर खड़े हो जाते हैं, बच्चे भी उन्हें देखकर परिस्थितियों से या फिर जीवन में आने वाली अलग-अलग तरह की चुनौतियों से लड़ना सीख जाते हैं।

सुरक्षित महसूस कर पाना : बच्चे जब बड़े होकर दुनिया की सच्चाई से रूबरू होते हैं, तब उन्हें ढेर सारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। धोखेबाज, चालाक और झूठ बोलने वाले लोगों से भरी इस दुनिया में अक्सर बच्चों को असुरक्षित महसूस होता है और ऐसी परिस्थिति में उन्हें जिस शख्स के होने से सुरक्षित महसूस होता है, वो उनके पिता हैं। पिता के होने का मतलब है कि बच्चे के पास प्यार, भरोसे और सुरक्षा का घर मौजूद है।

अनुभव से बहुत कुछ सीख सकते हैं : जीवन भर पिता खून-पसीने की कमाई से अपने बच्चे को खुशी देने की कोशिश करते हैं। इसी जद्दोजहद में पिता के पास अच्छा खासा अनुभव इकठ्ठा हो जाता है। जब बच्चा कमाना शुरू करता है, तो वो अपने पिता के अनुभव से बहुत कुछ सीख सकता है और उन गलतियों को करने से बच सकता है जो किसी जमाने में उसके पिता ने की थीं। अपने पिता के अनुभवों से सीखकर बच्चा तेज रफ्तार से सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ना शुरू कर सकता है।

खज्जियार: भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड, प्रकृति और रोमांच का संगम स्थल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक ऐसा सुरम्य पर्यटन स्थल है, जिसे "भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड" कहा जाता है और इसके पीछे ठोस कारण भी है। समुद्र तल से करीब 6,500 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह जगह अपनी नैसर्गिक सुंदरता, घने देवदार और चीड़ के जंगलों, हरे-भरे मैदानों और एक सुंदर झील के कारण किसी स्वप्नलोक से कम नहीं लगती। यहाँ का वातावरण इतना शांत, स्वच्छ और ताजगी भरा होता है कि पर्यटक यहाँ पहुंचते ही प्रकृति के और करीब महसूस करने लगते हैं। खज्जियार की सबसे खास बात यह है कि यहाँ एक गोलाकार हरा मैदान है जिसके बीचों-बीच एक छोटी सी झील स्थित है। यह दृश्य इतना मोहक होता है कि पहली नज़र में ही मन मोह लेता है।

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र जब यहाँ आए तो उन्होंने खज्जियार की खूबसूरती को देखकर इसकी तुलना स्विट्ज़रलैंड से की और इसे "मिनी स्विट्ज़रलैंड" की उपाधि दे दी। उन्होंने यहाँ एक स्मारक पत्थर भी स्थापित कराया जिसमें खज्जियार से स्विट्ज़रलैंड की दूरी अंकित है। तब से यह स्थान अंतरराष्ट्रीय पहचान भी पा चुका है। खज्जियार झील इस क्षेत्र का सबसे प्रमुख आकर्षण है। यह शांत झील और इसके चारों ओर फैला हरा मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श स्थल है। इसके अलावा यहाँ 12वीं शताब्दी में बना खज्जी नाग मंदिर भी है, जो स्थानीय श्रद्धा और इतिहास से जुड़ा हुआ है। मंदिर की लकड़ी पर की गई नक्काशी और पौराणिक मूर्तियाँ इसे खास बनाती हैं। रोमांच प्रेमियों के लिए खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग, घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी उपलब्ध हैं। वहीं, प्रकृति प्रेमियों के लिए, खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य एक शांतिपूर्ण जगह है जहाँ विभिन्न पक्षियों और जंगली जानवरों को नजदीक से देखा जा सकता है। यहाँ आने पर आप फोटोग्राफी, ट्रेकिंग, स्थानीय मंदिरों की यात्रा, पिकनिक और परिवार संग सुकून भरे पल बिताने जैसी गतिविधियों का भरपूर आनंद ले सकते हैं। खज्जियार की यात्रा के लिए मार्च से जून का समय हरियाली और सुहावने मौसम के लिए उत्तम है, जबकि दिसंबर से फरवरी बर्फबारी का लुत्फ उठाने वालों के लिए आदर्श होता है। यहाँ पहुँचने के लिए निकटतम शहर डलहौज़ी (22 किमी), पठानकोट रेलवे स्टेशन और गग्गल (कांगड़ा) हवाई अड्डा प्रमुख विकल्प हैं। खज्जियार उन लोगों के लिए एक स्वर्ग समान अनुभव है जो प्रकृति की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिकता और रोमांच का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है, जो हर यात्री के मन में हमेशा के लिए एक यादगार छाप छोड़ जाता है।

सुविचार

एक मीठा शब्द किसी का दिन रोशन कर सकता है।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	01:30-09:41 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	कृत्तिका	05:30-02:32 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:33 AM	चन्द्रोदय	5:25 AM
सूर्यास्त		6:57 PM	चंद्रास्त	7:57 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:48AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:17 PM: 06:57 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

जब दुनिया बदले व्यवहार, समझिए बदल रहा आपका समय

मजाक और दूरी अच्छे समय के बड़े संकेत

संघर्ष के बाद खुलते हैं सफलता के नए रास्ते

यूनिक समय, मथुरा। जिंदगी में कई बार ऐसा दौर आता है जब अपने ही लोग दूरी बनाने लगते हैं। मेहनत करने के बावजूद तारीफ की जगह आलोचना मिलने लगती है और जिनसे सबसे ज्यादा उम्मीद होती है, वही साथ छोड़ते नजर आते हैं। ऐसे समय में इंसान खुद को कमजोर महसूस करने लगता है, लेकिन ज्योतिष शास्त्र इसे जीवन के बड़े बदलाव का संकेत मानता है। मान्यता है कि कठिन दौर अक्सर अच्छे समय के आने से पहले शुरू होता है।

ज्योतिष के अनुसार ग्रहों की चाल इंसान के जीवन पर गहरा असर डालती है। खासकर शनि और राहु जैसे ग्रह व्यक्ति को ऐसे अनुभवों से गुजराते हैं, जहां धैर्य, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती की परीक्षा होती है। यही समय इंसान को भीतर से मजबूत बनाता है और भविष्य के लिए तैयार करता है।

पहला संकेत तब माना जाता है जब लोग अचानक आपका मजाक उड़ाने लगते हैं। आपके फैसलों, मेहनत या सपनों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। ज्योतिष के अनुसार यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आप जीवन में किसी नए बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं। अक्सर जब व्यक्ति आगे बढ़ने लगता है, तो आसपास के लोग उसकी सोच को समझ नहीं पाते।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

दूसरा संकेत है सपोर्ट सिस्टम का कमजोर होना। दोस्त, रिश्तेदार या करीबी लोग धीरे–धीरे दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति तकलीफ जरूर देती है, लेकिन ज्योतिष इसे आत्मनिर्भर बनने की प्रक्रिया मानता है। ऐसे समय में इंसान अपनी असली ताकत पहचानता है। तीसरा संकेत लगातार रुकावटों का आना है। हर काम में देरी, योजनाओं का अटकना और छोटी–छोटी परेशानियां बढ़ जाना इस बात की ओर इशारा करता है कि जीवन आपको धैर्य सिखा रहा है। कई बार यही रुकावटें भविष्य की बड़ी सफलता की तैयारी होती हैं।

चौथा संकेत मन की बेचैनी के बावजूद भीतर का भरोसा है। बाहर परिस्थितियां खराब दिखाई देती हैं, लेकिन अंदर कहीं न कहीं उम्मीद बनी रहती है कि सब ठीक होगा। ज्योतिष इसे अंतर्ज्ञान के जागरण का संकेत मानता है। पांचवां और सबसे अहम संकेत पुराने रास्तों का बंद होना और नए अवसरों का दिखाई देना है। कुछ लोग और मौके जिंदगी से दूर हो जाते हैं, लेकिन उसी समय नए रास्ते भी खुलने लगते हैं। यह बदलाव भविष्य की नई शुरुआत का संकेत माना जाता है।

ज्योतिष कहता है कि कठिन समय स्थायी नहीं होता। यदि व्यक्ति धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखे, तो यही संघर्ष उसे आगे चलकर मजबूत और सफल बनाता है। इसलिए जब लोग आपका साथ छोड़ने लगें, तो घबराने के बजाय खुद पर भरोसा रखना ज्यादा जरूरी होता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष : कल का दिन उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। रुके कार्य पूरे होंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नए अवसर मिल सकते हैं। नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। निवेश सोच–समझकर करें। मानसिक शांति बनी रहेगी।

मिथुन : कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। संचार कौशल से लाभ होगा। तनाव से बचें और संयम रखें।

कर्क: भावनात्मक रूप से दिन थोड़ा संवेदनशील रह सकता है। परिवार में सामंजस्य बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। धन लाभ के संकेत हैं। सेहत पर ध्यान दें।

सिंह : कल नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। रुके हुए कार्य आगे बढ़ेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक लाभ संभव है। आत्मविश्वास से निर्णय लें।

कन्या : कल का दिन व्यस्त रहेगा लेकिन परिणाम अच्छे मिलेंगे। नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। धैर्य और मेहनत से सफलता मिलेगी।

तुला : रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम जीवन में सकारात्मकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा। नई योजनाएं सफल होंगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

वृश्चिक : कल चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। धैर्य और समझदारी से काम लें। कार्यक्षेत्र में सुधार होगा। अचानक धन लाभ संभव है।

धनु : भाग्य आपका साथ देगा। शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में सुख–शांति रहेगी। नए अवसर मिलेंगे।

मकर : कार्यस्थल पर मेहनत रंग लाएगी। वरिष्ठों से सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पुराने विवाद समाप्त हो सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कुंभ: नए विचारों से लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर बनेंगे। खर्च बढ़ सकते हैं। रिश्तों में संतुलन रखें। मानसिक शांति बनाए रखें।

मीन : कल का दिन शुभ रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ संभव है।

लड्डू गोपाल के प्रिय पांच भोग: कौन से प्रसाद से होती है कृपा बरसात

यूनिक समय, मथुरा। लड्डू गोपाल की पूजा घर–घर में भक्ति और प्रेम का प्रतीक मानी जाती है। भक्त उन्हें दिन में सुबह और शाम भोग अर्पित करते हैं, जिससे घर में सुख–समृद्धि और शांति बनी रहती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुछ विशेष भोग ऐसे हैं जो बाल गोपाल को अत्यंत प्रिय हैं और इन्हें अर्पित करने से उनकी कृपा शीघ्र प्राप्त होती है। सबसे पहले माखन–मिश्री का भोग आता है, जिसे लड्डू गोपाल का सबसे प्रिय माना जाता है।

ताजे मक्खन में मिश्री मिलाकर अर्पित करने से विशेष फल मिलता है। दूसरा भोग धनिया पंजीरी है, जिसे शुद्ध घी और सूखे मेवों से बनाया जाता है। तीसरा केसरिया खीर या रबड़ी है, जो दूध, चावल और मेवों से तैयार की जाती है। चौथा पंचामृत है, जिसमें दूध, दही, घी, शहद और मिश्री का मिश्रण होता है। अंत में देसी घी से बने लड्डू जैसे मोतीचूर या बेसन के लड्डू भी अत्यंत प्रिय माने जाते हैं। इन भोगों को श्रद्धा से अर्पित करने से भक्ति और भी गहरी होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

भीषण गर्मी में भी बाबा श्याम का दरबार भक्तों से गुलजार

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में इन दिनों भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था लगातार उमड़ रही है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच भी बाबा श्याम के भक्तों के कदम नहीं रुक रहे। रींगस से खाटू धाम तक करीब 17 किलोमीटर लंबे पदयात्रा मार्ग पर श्रद्धालु नंगे पांव, हाथों में निशान लिए और "हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा" के जयकारों के साथ मंदिर पहुंच रहे हैं।

शनिवार, रविवार, एकादशी और द्वादशी जैसे विशेष दिनों पर तो भारी भीड़ उमड़ ही रही है, लेकिन सामान्य दिनों में भी दर्शनार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भक्तों का कहना है कि बाबा श्याम के प्रति उनकी श्रद्धा इतनी गहरी है कि गर्मी भी उनके उत्साह को कम नहीं कर पा रही। दूर–दूर से आने वाले श्रद्धालु पदयात्रा को अपनी आस्था और भक्ति का प्रतीक मानते हैं।

भीषण गर्मी को देखते हुए श्री श्याम मंदिर कमेटी ने भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। दर्शन कतारों में जगह–जगह कूलर और बड़े पंखे लगाए गए हैं ताकि भक्तों को राहत मिल सके। इसके साथ ही शीतल पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर और लाइनों में वाटर फॉग सिस्टम लगाया गया है, जिससे पानी की हल्की फुहारें भक्तों को गर्मी से राहत दे रही हैं।

पदयात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के पैरों को तपती सड़क से बचाने के लिए कालीन बिछाए गए हैं। दोपहर के समय सड़क को ठंडा रखने के लिए टैंकरों से पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है। मंदिर कमेटी और प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं ताकि किसी श्रद्धालु को परेशानी न हो।

गर्मी को ध्यान में रखते हुए सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक मंदिर बंद रखा जाता है, जबकि शनिवार और रविवार को अधिक भीड़ के कारण यह व्यवस्था लागू नहीं होती। रात में भी निर्धारित समय के बाद मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं। बाबा श्याम को "हारे का सहारा" कहा जाता है। मान्यता है कि महाभारत काल में भीम के पौत्र बर्बरीक ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना शीश दान दिया था। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर श्रीकृष्ण ने उन्हें कलियुग में श्याम नाम से पूजे जाने का वरदान दिया। तभी से बाबा श्याम लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बने हुए हैं।

सम्पादकीय

यूपी में घटती जन्मदर बढ़ा रही सरकारों की चिंता

आंध्र प्रदेश सरकार की तीसरे और चौथे बच्चे पर आर्थिक सहायता देने की घोषणा ने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में नई बहस छेड़ दी है। कभी बढ़ती आबादी को सबसे बड़ी समस्या माना जाता था, लेकिन अब कई राज्यों की तरह उत्तर प्रदेश में भी बदलती सामाजिक परिस्थितियां परिवार व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। शहरों में रहने वाले मध्यम वर्गीय परिवार अब कम बच्चे पैदा करने को प्राथमिकता देने लगे हैं। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च, नौकरी की अनिश्चितता और बदलती जीवनशैली ने लोगों की सोच बदल दी है।

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में अभी आबादी बड़ी जरूर है, लेकिन आने वाले वर्षों में यहां भी जनसंख्या संतुलन बड़ी चुनौती बन सकता है। गांवों से शहरों की ओर तेजी से पलायन, देर से विवाह और छोटे परिवार की बढ़ती सोच समाज में बड़ा बदलाव ला रही है। पहले जहां संयुक्त परिवारों में तीन-चार बच्चों को सामान्य माना जाता था, वहीं अब शहरी परिवार एक या दो बच्चों तक सीमित होते जा रहे हैं।

यूपी सरकार लगातार युवाओं को रोजगार, निवेश और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की बात कर रही है। लेकिन यदि भविष्य में कामकाजी युवाओं की संख्या कम होने लगी, तो आर्थिक विकास की रफ्तार पर असर पड़ सकता है। दुनिया के कई विकसित देशों में यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है और युवाओं की कमी अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रही है। हालांकि केवल आर्थिक प्रोत्साहन देकर परिवार बढ़ाने की सोच को बदलना आसान नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में भी लोगों को भरोसेमंद शिक्षा व्यवस्था, बेहतर अस्पताल, महिलाओं की सुरक्षा और रोजगार की स्थिरता चाहिए। जब तक परिवारों को भविष्य सुरक्षित नजर नहीं आएगा, तब तक वे बड़े परिवार की जिम्मेदारी लेने से बचते रहेंगे।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आबादी केवल संख्या नहीं, बल्कि गुणवत्ता का विषय भी है। उत्तर प्रदेश को ऐसी युवा पीढ़ी चाहिए जो शिक्षित, स्वस्थ और कुशल हो। इसलिए सरकारों को जनसंख्या के साथ मानव संसाधन की गुणवत्ता सुधारने पर भी बराबर ध्यान देना होगा। बदलते समय में उत्तर प्रदेश को अब केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि जनसंख्या संतुलन की नीति पर गंभीरता से विचार करना होगा।

यूनिक समय
स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

कब रुकेगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

कड़ी मेहनत हार रही, पेपर माफिया हर बार जीत रहा!

बोध प्रकाश सगुणी

देश की सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट एक बार फिर विवादों में है। लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों की उम्मीदों से जुड़ी इस परीक्षा में कथित पेपर लीक की खबरों ने पूरे शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। करोड़ों लोग अब यह सोचने को मजबूर हैं कि आखिर कब तक छात्रों के भविष्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ होता रहेगा। जांच एजेंसियां सक्रिय हैं, गिरफ्तारियां भी हो रही हैं, लेकिन जनता का भरोसा लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि हर बड़े पेपर लीक मामले में छोटे मोहरों को पकड़ लिया जाता है, जबकि असली मास्टरमाइंड अक्सर कानून की पकड़ से दूर दिखाई देते हैं।

नीट जैसी परीक्षा केवल एक टेस्ट नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों का आधार होती है। छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, परिवार अपनी बचत और उम्मीदें दांव पर लगा देते हैं, लेकिन जब परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र लीक होने की खबर आती है तो मेहनत, ईमानदारी और प्रतिभा का पूरा मूल्य ही समाप्त होता नजर आता है। इस बार भी कई राज्यों से ऐसे संकेत मिले कि कुछ छात्रों के पास परीक्षा से पहले ही प्रश्नों की जानकारी पहुंच चुकी थी। इससे उन लाखों विद्यार्थियों में निराशा और गुस्सा है जिन्होंने पूरी ईमानदारी से तैयारी की।

बीते कुछ वर्षों में देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। पुलिस भर्ती, शिक्षक भर्ती, प्रवेश परीक्षाएं और अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं बार-बार विवादों में आती रही हैं। दुर्भाग्य यह है कि हर बार सख्त कार्रवाई और सुधार के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन व्यवस्था में कोई ठोस परिवर्तन दिखाई नहीं देता। यही कारण है कि लोगों को अब जांच प्रक्रिया पर भी संदेह होने लगा है। उन्हें लगता है कि जांच धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाएगी और मामला फाइलों में दबकर रह जाएगा।

सबसे अधिक सवाल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की कार्यप्रणाली पर उठ रहे हैं। वर्ष 2017 में गठित इस संस्था का उद्देश्य देशभर में पारदर्शी और निष्पक्ष परीक्षाएं कराना था, लेकिन समय-समय पर हुई गड़बड़ियों ने इसकी साख को कमजोर किया है। डिजिटल युग में भी परीक्षा प्रणाली का बड़ा हिस्सा पुराने तौर-तरीकों पर आधारित दिखाई देता है। प्रश्नपत्रों की छपाई, उनका परिवहन और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में कई स्तरों पर जोखिम बने रहते हैं। यदि आधुनिक तकनीक का सही उपयोग किया जाए तो इन खामियों को काफी हद तक दूर किया जा सकता है।

विशेषज्ञ लंबे समय से सुझाव देते रहे हैं कि ऑनलाइन और एन्क्रिप्टेड परीक्षा प्रणाली को मजबूत किया जाए। प्रश्नपत्रों के कई सेट तैयार किए जाएं और परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले डिजिटल माध्यम से सुरक्षित तरीके से उपलब्ध कराए जाएं। यदि किसी एक केंद्र पर गड़बड़ी होती भी है तो केवल उसी केंद्र की परीक्षा दोबारा कराई जाए, न कि पूरे देश के छात्रों को परेशान किया जाए। लेकिन दुर्भाग्य से सुधार की गति बेहद धीमी है।

पेपर लीक की घटनाओं के पीछे केवल तकनीकी कमजोरी ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि एक संगठित सिंडिकेट भी सक्रिय दिखाई देता है। इसमें शिक्षा माफिया, तकनीकी विशेषज्ञ, कोचिंग नेटवर्क और कुछ भ्रष्ट अधिकारी तक शामिल होने की आशंका जताई जाती रही है। यही कारण है कि इतने बड़े मामलों में केवल छोटे कर्मचारियों की गिरफ्तारी से लोगों का भरोसा नहीं बनता। जब तक बड़े स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी और प्रभावशाली लोगों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल है। सरकारों को यह समझना होगा कि पेपर लीक केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा संकट है। जब मेहनती छात्रों का भरोसा टूटता है तो समाज में निराशा बढ़ती है। योग्य और ईमानदार युवाओं को लगता है कि व्यवस्था में प्रतिभा से अधिक महत्व पहुंच और पैसों का है। यह भावना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक है।

जरूरत इस बात की है कि पेपर लीक मामलों के लिए अलग और बेहद सख्त कानून बनाया जाए। दोषियों की संपत्ति जब्त करने, भारी आर्थिक दंड लगाने और लंबी सजा का प्रावधान होना चाहिए। जांच एजेंसियों को राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव से मुक्त रखकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। यदि किसी परीक्षा में गंभीर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों पर भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

नीट विवाद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि केवल बयान और आश्वासन काफी नहीं हैं। छात्रों और अभिभावकों को अब परिणाम चाहिए। वे ऐसी परीक्षा व्यवस्था चाहते हैं जिसमें पारदर्शिता हो, तकनीक का प्रभावी उपयोग हो और किसी भी तरह की धांधली की संभावना न्यूनतम हो। देश के युवाओं का भविष्य किसी भी कीमत पर दांव पर नहीं लगाया जा सकता।

आज जरूरत केवल जांच की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी जो पूरी तरह सुरक्षित, आधुनिक और जवाबदेह हो। यदि अब भी कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो हर नई परीक्षा के साथ छात्रों का विश्वास और अधिक टूटता जाएगा। आखिर कब तक मेहनत करने वाले छात्र कुछ लोगों की लालच और भ्रष्टाचार की कीमत चुकाते रहेंगे?

विचार विण्डो

पुराने सोने की नई चमक, बदल रही भारतीय बाजार की तस्वीर

राम प्रकाश वर्मा

भारत में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि परंपरा, सुरक्षा और निवेश का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह से लेकर त्योहारों तक, हर खास मौके पर सोने की खरीद भारतीय संस्कृति का हिस्सा रही है। लेकिन अब बदलती आर्थिक परिस्थितियों, बढ़ते आयात बिल और वैश्विक अस्थिरता के बीच देश में सोने को लेकर नई सोच विकसित होती दिखाई दे रही है। पुराने सोने के एक्सचेंज कार्यक्रम, हल्के वजन वाले आभूषण और 18 कैरेट ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही कारण है कि आभूषण बाजार में ग्राहकों का रुझान अब पारंपरिक खरीदारी से हटकर अधिक व्यावहारिक विकल्पों की ओर बढ़ता नजर आ रहा है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है और अपनी जरूरत का अधिकांश सोना विदेशों से आयात करता है। बीते वर्षों में सोने के आयात में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में सोना आयात लगभग 68.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि एक दशक पहले यह आंकड़ा बेहद कम था। इसी तरह चांदी के आयात में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। इसका सीधा असर देश के व्यापार घाटे और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। यही वजह है कि केंद्र सरकार अब सोने के आयात को नियंत्रित करने के लिए नए कदम उठा रही है। हाल ही में सोना और चांदी पर आयात शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया गया, ताकि अनावश्यक आयात को कम किया जा सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे गैर जरूरी सोना खरीदने से बचें और यदि संभव हो तो कुछ समय तक नई खरीद टालने पर विचार करें। सरकार का मानना है कि यदि देश में पहले से मौजूद निष्क्रिय सोने का बेहतर उपयोग किया जाए, तो आयात पर निर्भरता काफी कम हो सकती है। भारतीय घरों और मंदिरों में बड़ी मात्रा में सोना वर्षों से बिना उपयोग के रखा हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि इस सोने का एक हिस्सा भी औपचारिक व्यवस्था के तहत बाजार में वापस लाया जाए, तो देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिल सकता है।

इसी सोच के साथ अब आभूषण कंपनियां पुराने सोने के एक्सचेंज कार्यक्रमों को तेजी से बढ़ावा दे रही हैं। ग्राहक अपने पुराने आभूषण देकर नए डिजाइन के गहने खरीद रहे हैं। इससे उन्हें नई ज्वेलरी भी मिल जाती है और अतिरिक्त खर्च भी कम होता है। बड़े ज्वेलरी ब्रांड इस समय एक्सचेंज योजनाओं को आकर्षक ऑफरों के साथ पेश कर रहे हैं, जिसके कारण बाजार में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है।

टाइटन जैसी कंपनियां वर्षों से पुराने सोने के विनिमय कार्यक्रम चला रही हैं। कंपनी का कहना है कि उसकी कुल सोने की जरूरत का बड़ा हिस्सा अब इसी माध्यम से पूरा हो रहा है। वहीं कल्याण ज्वैलर्स ने "नेशन फर्स्ट गोल्ड फॉर इंडिया" अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना और घरेलू सोने के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देना है। कंपनी देशभर के अपने स्टोरों में विशेष काउंटर स्थापित कर रही है, जहां ग्राहक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पुराने सोने को नकद या नए आभूषणों में बदल सकते हैं।

बाजार में सबसे बड़ा बदलाव 18 कैरेट और 14 कैरेट ज्वेलरी की बढ़ती मांग के रूप में सामने आया है। पहले

भारतीय ग्राहक मुख्य रूप से 22 कैरेट सोने को प्राथमिकता देते थे, लेकिन बढ़ती कीमतों ने लोगों की सोच बदल दी है। अब हल्के वजन और आधुनिक डिजाइन वाले आभूषण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। खासकर युवाओं और कामकाजी महिलाओं के बीच 18 कैरेट ज्वेलरी का आकर्षण बढ़ा है।

ब्राइडल ज्वेलरी बाजार में भी बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। पहले भारी और पारंपरिक दुल्हन सेट अधिक पसंद किए जाते थे, लेकिन अब हल्के, स्टाइलिश और बहुउपयोगी डिजाइन ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं।

टाइटन सहित कई कंपनियों ने 18 कैरेट ब्राइडल कलेक्शन लॉन्च किए हैं, जिनमें आधुनिक डिजाइन के साथ कम वजन और बेहतर कीमत का संतुलन देखने को मिलता है। इससे ग्राहकों का खर्च भी कम होता है और रोजमर्रा में उपयोग की सुविधा भी मिलती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कम कैरेट वाले आभूषणों को अधिक बढ़ावा मिलता है, तो सोने के आयात में 20 से 30 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। इससे देश के चालू खाता घाटे पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। यही कारण है कि उद्योग जगत और सरकार दोनों इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर भी सोने के बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिका की आर्थिक नीतियों के कारण वैश्विक बाजार में सोने की कीमतों में लगातार बदलाव हो रहा है। मजबूत डॉलर और अमेरिकी बांड प्रतिफल बढ़ने से निवेशकों का रुझान भी प्रभावित हुआ है। ऐसे माहौल में भारतीय बाजार अधिक सतर्क होकर आगे बढ़ रहा है।

भारत अपनी 85 प्रतिशत से अधिक तेल जरूरतें भी आयात करता है। ऐसे में यदि सोना और तेल दोनों का आयात लगातार बढ़ता है, तो इसका दबाव रुपये और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ना स्वाभाविक है। यही कारण है कि सरकार अब नागरिकों से विवेकपूर्ण खरीदारी की अपील कर रही है।

स्पष्ट है कि भारत का ज्वेलरी बाजार अब बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ग्राहक केवल परंपरा नहीं, बल्कि सुविधा, बजट और निवेश के संतुलन को भी महत्व देने लगे हैं। पुराने सोने के एक्सचेंज कार्यक्रम और 18 कैरेट ज्वेलरी कलेक्शन इसी बदलती सोच का प्रतीक बनकर उभरे हैं। आने वाले समय में यही प्रवृत्ति भारतीय स्वर्ण बाजार की नई दिशा तय कर सकती है।

आईपीएल में युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन का तूफान!

78 पारियों में रचा ऐसा इतिहास दुनिया के दिग्गज रह गए पीछे

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन का बल्ला लगातार आग उगल रहा है। गुजरात टाइटंस के इस स्टार ओपनर ने अब ऐसा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है, जिसे अब तक दुनिया का कोई भी बल्लेबाज हासिल नहीं कर पाया था। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए हाईस्कोरिंग मुकाबले में साई सुदर्शन ने टी 20 क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन पूरे कर इतिहास रच दिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 248 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए साई सुदर्शन ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 28 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए। अपनी शानदार पारी में सुदर्शन ने 6 चौके और 3 लंबे छक्के लगाए। इसी दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने 3000 रन भी पूरे कर लिए। खास बात यह रही कि उन्होंने यह उपलब्धि केवल 78 पारियों में हासिल की।

इसके साथ ही साई सुदर्शन टी20 इतिहास में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज शॉन मार्श के नाम था, जिन्होंने 85 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। सुदर्शन ने मार्श का रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इतना ही नहीं, वह दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने 80 से कम पारियों में टी20 क्रिकेट में 3000 रन पूरे किए हैं। सबसे तेज 3000 टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अब साई सुदर्शन पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके बाद शॉन मार्श, डार्सी शॉर्ट, डेवोन कॉनवे और क्रिस गेल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो सुदर्शन ने तिलक वर्मा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। तिलक ने 90 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे, जबकि सुदर्शन ने यह कारनामा सिर्फ 78 पारियों में कर दिखाया। आईपीएल 2026 में साई सुदर्शन लगातार शानदार फॉर्म में हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। मैच से पहले उन्हें इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए केवल 36 रन की जरूरत थी और उन्होंने गुजरात की पारी के 18वें ओवर में यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 29 रन से हार झेलनी पड़ी, लेकिन साई सुदर्शन की ऐतिहासिक पारी ने इस मैच को हमेशा के लिए यादगार बना दिया। क्रिकेट विशेषज्ञ अब उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार मानने लगे हैं।

शेफाली जरीवाला की मौत पर पराग त्यागी का बयान

बोल– सही समय पर सामने आएगा सच

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी अभिनेता पराग त्यागी ने अपनी दिवंगत पत्नी और अभिनेत्री शेफाली जरीवाला के निधन को लेकर पहली बार खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि शेफाली की मौत उन्हें पूरी तरह अस्वाभाविक लगी थी और उस समय कई ऐसी बातें महसूस हुईं, जिन्हें वह आज तक भूल नहीं पाए हैं। हालांकि पराग ने किसी पर सीधे आरोप नहीं लगाए, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि सही समय आने पर सच अपने आप सामने आ जाएगा।

एक इंटरव्यू में पराग ने बताया कि वह और शेफाली दोनों अपनी सेहत को लेकर बेहद सजग थे और नियमित हेल्थ चेकअप करवाते थे। उन्होंने कहा कि उस दौरान उन्हें नकारात्मक ऊर्जा जैसी चीजें महसूस हुई थीं। पराग का मानना है कि कुछ घटनाएं सामान्य नहीं थीं, लेकिन उन्होंने सब कुछ भगवान और कर्म पर छोड़ दिया है।

पराग ने यह भी कहा कि इस कठिन समय में उन्हें सबसे ज्यादा सहारा आध्यात्म और सनातन दर्शन से मिला। उनके अनुसार आध्यात्म इंसान को दर्द सहने की ताकत देता है। सोशल मीडिया पर उनका यह बयान तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

9.2 रेटिंग वाले इस कॉमेडी शो ने टीवी पर मचाया था ऐसा धमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। 80 और 90 के दशक का टीवी दौर आज भी लोगों की यादों में जिंदा है। उसी दौर में एक ऐसा कॉमेडी शो आया था, जिसने हल्के–फुल्के अंदाज में सिस्टम पर व्यंग्य कर दर्शकों का दिल जीत लिया। इस शो का नाम था 'फ्लॉप शो', लेकिन लोकप्रियता के मामले में यह किसी सुपरहिट कार्यक्रम से कम नहीं था। साल 1989 में शुरू हुए इस शो के आते ही लोग टीवी के सामने बैठ जाते थे और पूरे परिवार के साथ ठहाके लगाते थे। यहां तक कि शो के प्रसारण के दौरान गलियां और सड़कें तक सुनसान नजर आती थीं। मशहूर कॉमेडियन

सड़कें तक हो जाती थीं सुनसान

जसपाल भट्टी ने इस शो का निर्देशन किया था और खुद भी इसमें मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके साथ उनकी पत्नी सविता भट्टी भी नजर आई थीं। शो की खासियत इसकी दमदार कॉमिक टाइमिंग और सरकारी सिस्टम पर किया गया मजेदार व्यंग्य था। यही वजह है कि आज भी इसे भारतीय टीवी का मास्टरपीस माना जाता है। आईएमडीबी पर इस शो को 9.2 की शानदार रेटिंग मिली हुई है।

उर्वशी के कान लुक पर मचा सोशल मीडिया बवाल

जीजी हदीद की कॉपी बताकर उर्वशी हुईं ट्रोल

यूनिक समय, नई दिल्ली। 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर अपने फैशन स्टाइल को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं।

रेड कार्पेट पर उर्वशी आईवरी रंग की गोल्डन बॉर्डर वाली साड़ी और गोल्डन ब्लाउज पहनकर पहुंचीं, लेकिन उनका यह लुक सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का कारण बन गया।

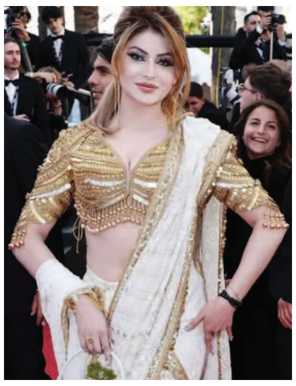

कई यूजर्स ने उनके स्टाइल की तुलना सुपरमॉडल जीजी हदीद से करते हुए इसे कॉपी बताया।

दरअसल, जीजी हदीद ने साल 2023 में एनएमएसीसी लॉन्च इवेंट में मशहूर डिजाइनर जोड़ी अबू जानी और संदीप खोसला की डिजाइन की हुई ऐसी ही साड़ी पहनी थी। उर्वशी के कान लुक को देखते ही सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें वायरल होने लगीं। कुछ लोगों ने उर्वशी के फैशन सेंस की तारीफ की, वहीं कई यूजर्स ने उन्हें "सस्ती कॉपी" तक कह दिया। फैशन पेज डाइट सब्या ने भी दोनों लुक्स की तुलना करते हुए पोस्ट साझा किया, जिसके बाद यह मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया।

सलमान की महंगी रोलेक्स घड़ी देख भड़के थे सलीम खान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में अपने शुरुआती संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि पहली बड़ी कमाई मिलने पर उन्होंने अपने पिता सलीम खान को महंगी रोलेक्स घड़ी गिफ्ट करने का फैसला किया था। उस समय घड़ी की कीमत करीब 9 लाख रुपये थी, जबकि उनके पास केवल 4 लाख रुपये थे। बाकी रकम उन्होंने कर्ज लेकर पूरी की।

सलमान ने बताया कि जब उन्होंने यह कीमती घड़ी पिता को दी तो सलीम खान खुश होने के बजाय नाराज हो गए। उन्होंने बेटे से कहा, "अभी काम शुरू ही किया है और इतनी फिजूलखर्ची? खुद को राजा–महाराजा

बोले–खुद को राजा समझते हो क्या?

समझते हो क्या?" हालांकि बाद में सलीम खान ने उस घड़ी को संभालकर रखा और वर्षों बाद सलमान को ही वापस दे दिया।

सलमान ने यह भी साफ किया कि उनके पास लग्जरी घड़ियों का बड़ा कलेक्शन नहीं है और ज्यादातर घड़ियां वह दोस्तों से लेकर पहनते हैं।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर फिदा हुए रवि शास्त्री

जल्द पहन सकते हैं टीम इंडिया की जर्सी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में इन दिनों एक नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है और वह है युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी। महज 15 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले वैभव को लेकर अब पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। शास्त्री का मानना है कि वैभव अगले महीने ही टीम इंडिया के लिए डेब्यू कर सकते हैं।

आईसीसी अंडर–19 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले वैभव सूर्यवंशी इस समय राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल 2026 में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। युवा ओपनर ने अब तक 11 पारियों में 440 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 236 से ज्यादा का रहा है। खास बात यह है कि वह इस सीजन सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने फैंस के साथ–साथ क्रिकेट विशेषज्ञों को भी प्रभावित किया है। पिछले महीने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव ने सिर्फ 36 गेंदों में शतक लगाकर क्रिकेट जगत में सनसनी मचा दी थी। इसके अलावा उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए हैं। इसी प्रदर्शन को देखते हुए रवि शास्त्री ने चयनकर्ताओं से उन्हें जल्द भारतीय टीम में मौका देने की मांग की है। द आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में बातचीत के दौरान शास्त्री ने कहा कि वैभव जैसे खिलाड़ी को जितनी जल्दी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव मिले, उतना बेहतर होगा। उनके अनुसार टी20 फॉर्मेट युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए सबसे सही मंच है और वैभव इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार दिखाई देते हैं। शास्त्री ने यह भी कहा कि वैभव की निडर बल्लेबाजी और आत्मविश्वास उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

पूर्व कोच का मानना है कि जून में होने वाला आयरलैंड दौरा वैभव के डेब्यू के लिए सबसे उपयुक्त मौका हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो वह भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटरों में शामिल हो जाएंगे। हाल ही में उन्हें पहली बार इंडिया–ए टीम में भी जगह मिली है। वह श्रीलंका में होने वाली ट्राई सीरीज में हिस्सा लेंगे, जहां उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। क्रिकेट फैंस अब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि यह युवा सितारा कब टीम इंडिया की नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरता है।

दिव्यांका की प्रेग्नेंसी खबर सुन घबरा गए विवेक दहिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री के चर्चित कपल दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया जल्द माता–पिता बनने वाले हैं। हाल ही में विवेक दहिया ने खुलासा किया कि जब उन्हें पहली बार दिव्यांका की प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया खुशी नहीं बल्कि घबराहट थी। उन्होंने बताया कि अचानक पिता बनने की जिम्मेदारी का एहसास उन पर हावी हो गया था। विवेक ने कहा कि कुछ समय तक वह पूरी तरह सुन्न हो गए थे और उन्हें लगने लगा था कि अब जिंदगी पूरी तरह बदलने वाली है। हालांकि बाद में उन्होंने इस खूबसूरत एहसास को समझा और खुशी महसूस की। विवेक के मुताबिक, इस नए सफर ने उनके रिश्ते को पहले से ज्यादा मजबूत और परिपक्व बना दिया है।

बागेश्वर धाम से लौट रहे परिवार का हादसा

डंपर और वैन की भिड़ंत में चार लोगों की मौत, एक घायल की हालत गंभीर

यूनिक समय, हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में रविवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा हो गया। बागेश्वर धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की अर्टिगा वैन नेशनल हाईवे-34 पर डंपर से टकरा गई। हादसे में एक महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर रेफर किया गया है।

यह हादसा मौदहा कोतवाली क्षेत्र में छिरका और मवइया गांव के बीच दोपहर करीब साढ़े बारह बजे हुआ। जानकारी के अनुसार कानपुर निवासी श्रद्धालु परिवार मध्य प्रदेश स्थित बागेश्वर धाम से दर्शन कर वापस लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर और वैन की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

हादसे में नरेंद्र, उनकी पत्नी मीना, राजकपूर और वाहन चालक आयुष चौहान की मौत हो गई। वहीं रेखा नामक महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतकों में दो दंपती शामिल बताए जा रहे हैं और सभी एक ही परिवार के सदस्य थे।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से वाहन में फंसे शवों को बाहर निकाला। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हादसे के कारण कुछ समय तक नेशनल हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। बाद में पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने या ओवरटेक के प्रयास में हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले की विस्तृत जांच जारी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

पांच घंटे चला हाईवोल्टेज हंगामा टंकी पर ही दिया खाना पानी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला की पहचान अयोध्या निवासी प्रीति कश्यप के रूप में हुई है। बताया गया कि उसने प्रेम विवाह किया था और पति के छोड़कर चले जाने से वह मानसिक रूप से परेशान थी।

पुलिस के अनुसार प्रीति अपने पति राम अनुग्रह प्रजापति के साथ विनीतखंड-5 में रह रही थी। आरोप है कि कुछ दिन पहले उसका पति उसे छोड़कर चला गया। कई बार संपर्क करने के बावजूद जब बात नहीं हो सकी तो आहत होकर महिला रविवार सुबह पानी की टंकी पर चढ़ गई।

घटना की जानकारी मिलते ही गोमतीनगर पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंच गया। पुलिस और महिला कर्मियों ने घंटों तक समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नीचे

पति के छोड़ जाने से पानी टंकी पर चढ़ी महिला

उतरने को तैयार नहीं हुई। इस दौरान महिला को टंकी पर ही खाना और पानी दिया गया।

करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद महिला नीचे उतरी, लेकिन जमीन पर आते ही बेहोश हो गई। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके पति से भी संपर्क किया है।

990 रुपये मिनटों में हुए खत्म, बिजली शिविर में उपभोक्ता का हंगामा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। तालकटोरा पावर हाउस में आयोजित बिजली शिविर में ऐशबाग हाईट्स निवासी अब्दुल रशीद ने जमकर हंगामा किया। उनका आरोप था कि मीटर ने 990 रुपये का रिचार्ज कुछ ही मिनटों में खत्म कर दिया, जिससे घर की बिजली दोबारा कट गई। उपभोक्ता ने अधिकारियों को बताया कि शनिवार सुबह मीटर का बैलेंस खत्म होने पर उन्होंने तुरंत 1000 रुपये का रिचार्ज कराया। रिचार्ज के बाद मोबाइल पर 990 रुपये बैलेंस दिखा और बिजली चालू हो गई, लेकिन थोड़ी देर बाद फिर बिजली चली गई। इसके बाद मोबाइल पर शून्य बैलेंस का संदेश आ गया।

लखनऊ में प्रीपेड मीटर ने बढ़ाई परेशानी

मामला बढ़ने पर अधीक्षण अभियंता मुकेश त्यागी ने उपभोक्ता को शांत कराया और मीटर बदलने के निर्देश दिए। करीब दो घंटे में नया मीटर लगा दिया गया। शिविर में कई अन्य उपभोक्ताओं ने भी स्मार्ट मीटर तेज चलने, गलत रीडिंग और अधिक बिल आने की शिकायतें दर्ज कराईं। अधिकारियों के अनुसार कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया।

तेज रफ्तार कार का कहर, जूस पी रहे तीन लोगों को रौंदा

यूनिक समय, पीलीभीत। पीलीभीत के अमरिया थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हरिद्वार नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे जूस पी रहे तीन लोगों को कुचल दिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 वर्षीय बच्ची समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार, अमरिया कस्बा निवासी मुदित गुप्ता अपने रिश्तेदार आशीष गुप्ता और बच्ची नित्या के साथ हाईवे किनारे जूस पी रहे थे। तभी सितारगंज की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर अनियंत्रित होकर ठेले के पास खड़े लोगों को चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि मुदित गुप्ता कार में फंसकर करीब 50 मीटर तक घसीटते चले गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि दोनों घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

वर्दी में रील बनाने वालों पर सख्त हुई यूपी पुलिस

यूनिक समय, लखनऊ। सोशल मीडिया पर रीलबाजी और अनुशासनहीन पोस्ट करने वाले पुलिसकर्मियों पर अब यूपी पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। डीजीपी मुख्यालय ने सभी जिलों और यूनिट्स को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाए।

दरअसल, पिछले कुछ समय से कई पुलिसकर्मी वर्दी में रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे थे। कुछ मामलों में आपत्तिजनक और अनुशासनहीन सामग्री भी साझा की गई, जिससे पुलिस विभाग की छवि प्रभावित हुई। इसे देखते हुए डीजीपी कार्यालय ने दोबारा सख्त आदेश जारी किया है।

आदेश में कहा गया है कि 8 फरवरी 2023 को लागू की गई सोशल मीडिया पॉलिसी का पालन हर पुलिसकर्मी के लिए अनिवार्य है। सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रखें और नियमों का उल्लंघन करने वालों को चिन्हित करें।

डीजीपी कार्यालय के अनुसार, रील और वायरल वीडियो बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति से सरकारी कार्य भी प्रभावित हो रहा है। इसलिए हर महीने कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेजनी होगी। साथ ही विवादित पोस्ट के यूआरएल और अन्य रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

अवैध चैंबर हटाने पर बढ़ा तनाव पुलिस लाठीचार्ज से मचा बवाल

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में रविवार सुबह अवैध चैंबरों पर बुलडोजर कार्रवाई के दौरान भारी हंगामा हो गया। हाईकोर्ट के आदेश पर नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कचहरी और स्वास्थ्य भवन के आसपास बने अवैध चैंबरों को हटाना शुरू किया। कार्रवाई के विरोध में बड़ी संख्या में वकील सड़कों पर उतर आए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब पुलिस और वकीलों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को हटाने की कोशिश की। इस दौरान कई वकील बुलडोजर के सामने बैठ गए और कार्रवाई रोकने की मांग करने लगे। एक वकील ने खुद को चैंबर में

लखनऊ में बुलडोजर कार्रवाई पर वकीलों का हंगामा

बंद कर फांसी लगाने की कोशिश भी की, जिसे समय रहते रोक लिया गया।

महिला वकीलों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने बिना उचित पुनर्वास के चैंबर तोड़ दिए। उनका कहना था कि जिन चैंबरों को हटाने के आदेश थे, उनके बजाय अन्य लोगों के चैंबर भी गिरा दिए गए।

प्रशासन के अनुसार हाईकोर्ट ने करीब 240 अवैध चैंबर हटाने के निर्देश दिए थे। नगर निगम ने पहले नोटिस जारी कर समय भी दिया था, लेकिन कब्जे नहीं हटाए गए। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पीएसी बल भी तैनात रहा।

रिंद नदी में नहाने गए युवकों के साथ हादसा

गहरे पानी में आठ युवक डूबे, चार की मौत

यूनिक समय, फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। ललौली थाना क्षेत्र में रिंद नदी में नहाने गए आठ युवक अचानक गहरे पानी में चले गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से चार युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार युवकों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार तपनी गांव के नौ युवक कुंनुहा डेरा के पास स्थित रिंद नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान आठ युवक अचानक गहराई वाले हिस्से में पहुंच गए और डूबने लगे। युवकों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे तुरंत नदी में कूद पड़े और बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद चार युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी भेजा गया। हादसे में हसीबुद्दीन, शाहिद, अंश और शान की मौत हो गई। चारों युवक तपनी गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही ललौली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शवों को नदी से बाहर निकलवाया

मछुआरों ने चार युवकों की बचाई जान

और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक का माहौल बना हुआ है और बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवारों के घर पहुंच रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नदी में पानी की गहराई अधिक होने के कारण यह हादसा हुआ। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदी और तालाबों में नहाते समय सावधानी बरतें और गहरे पानी में जाने से बचें। घायल युवकों का उपचार जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

राजधानी एक्सप्रेस के एसी कोच में लगी आग, मची अफरा-तफरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में रविवार तड़के राजधानी एक्सप्रेस के एसी कोच में लगी आग के बाद रेलवे को लगातार दूसरी बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा। त्रिवेंद्रम से हजरत निजामुद्दीन जा रही राजधानी एक्सप्रेस के बी–1 वातानुकूलित कोच में सुबह करीब 5:15 बजे आग लग गई। यह घटना आलोट के पास लूणी रीछा और विक्रमगढ़ स्टेशन के बीच हुई। कोच में सवार 68 यात्रियों को करीब 15 मिनट के भीतर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले कोच के नीचे से धुआं उठता दिखाई दिया और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग बी–1 कोच से फैलकर पीछे लगे सेकंड लगेज कम गार्ड वैन तक पहुंच गई। रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत ट्रेन की बिजली आपूर्ति बंद कर प्रभावित डिब्बों को अलग किया। हादसे के बाद दिल्ली–मुंबई रेल मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात रोक दिया गया।

घटना के बाद राहत कार्य के लिए भेजी गई रेलवे की कैरेज एंड वैगन विभाग की यातायात वैन भी हादसे का शिकार हो गई। शामगढ़–सुवासरा मार्ग पर वैन अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई, जिसमें पांच से अधिक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद कोटा भेजा गया। इतना ही नहीं, रतलाम से रवाना की गई दुर्घटना राहत मेडिकल वैन में भी वापसी के दौरान आग लग गई। रुनखेड़ा स्टेशन के पास इंजन के ब्रेक से धुआं उठने लगा, जिसके बाद कर्मचारियों ने तुरंत उतरकर आग पर काबू पाया। रेलवे ने यात्रियों की सहायता के लिए नागदा, उज्जैन और

रेलवे स्टाफ की सतर्कता से बचीं जानें

पंद्रह मिनट में 68 यात्रियों को निकाला सुरक्षित

राजधानी एक्सप्रेस हादसे के बाद बढ़ीं मुश्किलें

रिलीफ ट्रेन भी हादसे का शिकार

रतलाम स्टेशन पर हेल्प डेस्क शुरू किए हैं। फिलहाल एक लाइन से ट्रेनों का संचालन जारी है और तकनीकी टीमें ट्रैक तथा अन्य व्यवस्थाओं को सामान्य करने में जुटी हैं। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट और तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है।

हावड़ा स्टेशन के बाहर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता के व्यस्त हावड़ा रेलवे स्टेशन के बाहर प्रशासन ने बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल, सरकारी रेलवे पुलिस और हावड़ा सिटी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में स्टेशन परिसर, बस स्टैंड और गंगा घाट के आसपास बनी अवैध दुकानों और अस्थायी ढांचों को बुलडोजर से हटाया गया। अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से फुटपाथ और सार्वजनिक जगहों पर कब्जे की वजह से यात्रियों को आने–जाने में परेशानी हो रही थी। इसी को देखते हुए प्रशासन ने देर रात कार्रवाई शुरू की और कई अवैध निर्माण तोड़ दिए। पूरे इलाके में सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों

अतिक्रमण हटाने पहुंची भारी पुलिस फोर्स

दुकानदारों ने पुनर्वास की उठाई मांग

ने विरोध जताया और आरोप लगाया कि उन्हें पहले से पर्याप्त सूचना नहीं दी गई। प्रभावित व्यापारियों का कहना है कि उनकी दुकानें वर्षों से वहां चल रही थीं और अब रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कई दुकानदारों ने पुनर्वास की मांग भी उठाई। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य स्टेशन क्षेत्र को सुरक्षित, साफ सफाई और यात्रियों के लिए सुगम बनाना है। प्रशासन ने साफ किया कि रेलवे भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जोधपुर में दो बहनों की मौत से उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के जोधपुर में दो सगी बहनों की मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। परिवार का आरोप है कि दोनों बहनें लंबे समय से गैंगरेप, ब्लैकमेलिंग और धमकियों का शिकार थीं। इंसाफ नहीं मिलने और लगातार मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पहले बड़ी बहन ने आत्महत्या की, जबकि दो महीने बाद छोटी बहन ने भी जहर खाकर जान दे दी। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

परिजनों के अनुसार बड़ी बहन को एक ई–मित्र संचालक ने पहले प्रेमजाल में फंसाया और फिर उसके निजी वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करना शुरू किया। आरोप है कि कई लोगों ने मिलकर उसका शोषण किया और वर्षों तक धमकियां देते रहे। लगातार दबाव और बदनामी के डर से मार्च में उसने आत्महत्या कर ली। इसके बाद छोटी बहन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और

गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग से टूटा परिवार

पुलिस कार्रवाई पर लोगों में भारी गुस्सा

आरोपियों के नाम भी बताए। उसने चेतावनी दी थी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वह भी जान दे देगी। परिवार का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूमते रहे और धमकियां देते रहे। शुक्रवार को इंसाफ की मांग को लेकर छोटी बहन पानी की टंकी पर चढ़ गई। बाद में उसने जहरीला पदार्थ खा लिया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। घटना के बाद राजपूत समाज और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बिहार पुलिस में आधी रात तबादलों से मचा हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार सरकार ने प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए राज्यभर में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए हैं। पिछले 48 घंटों के भीतर 100 से अधिक डीएसपी स्तर के अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। इसके साथ ही 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को भी विभिन्न जिलों की नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सरकार ने इस फेरबदल को कानून–व्यवस्था सुधारने और प्रशासनिक कामकाज को तेज करने की दिशा में अहम कदम बताया है। नई नियुक्तियों के तहत मोहम्मद अली अंसारी को एआईजी ट्रैफिक बनाया गया है, जबकि आशीष कुमार सिंह को पटना ट्रैफिक पुलिस में डीएसपी की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले भी 61 डीएसपी और दो आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया था।

राज्य सरकार का कहना है कि जिलों में योजनाओं की निगरानी मजबूत करने और जनता तक सुविधाएं

100 से ज्यादा अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

कानून व्यवस्था सुधारने में जुटी सरकार

तेजी से पहुंचाने के लिए आईएएस अधिकारियों को प्रभारी सचिव बनाया गया है। वरिष्ठ अधिकारी विनय कुमार को पटना और कुमार रवि को नालंदा जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह बड़ा प्रशासनिक बदलाव अपराध नियंत्रण, साइबर क्राइम पर लगाम और पुलिस व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने की रणनीति का हिस्सा है।

नीट पेपर लीक में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

बायोलॉजी लेक्चरार मनीषा गुरुनाथ मंढारे की मांगेगी रिमांड

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट–यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने जांच तेज करते हुए पुणे की जीवविज्ञान अध्यापिका मनीषा गुरुनाथ मंढारे को राउज एवेन्यू अदालत में पेश किया। जांच एजेंसी आरोपी की हिरासत मांग सकती है ताकि प्रश्नपत्र लीक गिरोह के अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। केंद्रीय जांच ब्यूरो के अनुसार मनीषा ने विशेष कक्षाओं के दौरान छात्रों को जीवविज्ञान और प्राणी विज्ञान के वही सवाल और जवाब बताए थे, जो बाद में परीक्षा में आए।

जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले गिरफ्तार हो चुकी मनीषा बाघमारे के घर पर छात्रों को पढ़ाने जाती थी। इससे पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो रसायन

पेपर लीक नेटवर्क की जांच तेज

विज्ञान के अध्यापक पीवी कुलकर्णी को भी गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों आरोपी पुणे के रहने वाले हैं।

अब जांच एजेंसी की नजर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के कुछ अधिकारियों पर भी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो यह पता लगाने में जुटी है कि परीक्षा का गोपनीय प्रश्नपत्र आखिर आरोपियों तक कैसे पहुंचा। जांच में खुलासा हुआ है कि प्रश्नपत्र पुणे से नासिक, गुरुग्राम और जयपुर तक पहुंचाया गया था। मामले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और जांच लगातार जारी है।

नीदरलैंड दौरे से भारत को मिली बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक ताकत

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय नीदरलैंड यात्रा भारत के लिए कई बड़े समझौते और रणनीतिक फायदे लेकर आई है। इस दौरे के दौरान भारत और नीदरलैंड ने अपने संबंधों को नई ऊंचाई देते हुए 'रणनीतिक साझेदारी' में बदलने का फैसला किया। दोनों देशों के बीच रक्षा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी और ग्रीन एनर्जी समेत कई क्षेत्रों में 17 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

इस यात्रा की सबसे खास उपलब्धि चोल राजवंश से जुड़े ऐतिहासिक तांबे के बर्तनों और कलाकृतियों की भारत वापसी रही। सांस्कृतिक संरक्षण और शोध को लेकर भी दोनों देशों के बीच सहमति बनी है।

इसके अलावा 'रणनीतिक साझेदारी रोडमैप 2026–2030' जारी किया

गया, जिसके तहत व्यापार, निवेश और सुरक्षा सहयोग को मजबूत किया जाएगा।

भारतीय छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए वीजा और इंटर्नशिप के अवसर आसान बनाने पर भी सहमति बनी। कृषि क्षेत्र में डेयरी प्रशिक्षण केंद्र और आधुनिक फूलों की खेती के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को भी लाभ मिलेगा।

तेलंगाना में सनसनीखेज वारदात से दहशत

प्यार ठुकराने पर युवती की दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना के महबूबनगर जिले के जड़चरला कस्बे में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को हिला दिया। यहां 21 वर्षीय युवती वैष्णवी की दिनदहाड़े चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। वारदात उस समय हुई जब युवती बस से उतरकर अपने घर या कार्यस्थल की ओर जा रही थी। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से वैष्णवी को परेशान कर रहा था और उस पर दोस्ती तथा प्यार का दबाव बना रहा था।

जानकारी के मुताबिक वैष्णवी एक निजी स्कूल में रिसेप्शनिस्ट के रूप में

काम करती थी और बेहद साधारण जीवन जीती थी। परिवार और दोस्तों ने बताया कि वह पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान देने वाली शांत स्वभाव की लड़की थी। आरोपी ने कई बार उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन युवती ने हर बार उसे मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर उसने खौफनाक कदम उठा लिया।

सार्वजनिक सड़क पर लड़की का गला रेता

आरोपी पहले से ही युवती का पीछा कर रहा था। जैसे ही वैष्णवी बस से उतरी, युवक अचानक उसके सामने पहुंच गया और चाकू से हमला कर दिया। उसने सार्वजनिक सड़क पर ही युवती का गला रेत दिया। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं सके। हमले के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल वैष्णवी को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गले पर गंभीर चोट लगने के कारण डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और गुस्से का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश तेज कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और कई लोगों से पूछताछ की जा रही है।

इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं।

मंडी में बोरे खत्म, बारदाने की किल्लत बनी खरीद में रोड़ा

चौकीदार बनकर फसल बचाने को मजबूर हैं किसान

अनाज मंडी में तौल के लिए ट्रैक्टर ट्राली में लदे हुए और खुले में पड़े गेहूं।

तीन दिन से खरीद ठप किसानों का चढ़ा पारा

कागजों में खरीद तेज जमीन पर बारदाना संकट

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले की सरकारी गेहूं खरीद व्यवस्था बारदाने की किल्लत में उलझ गई है। कई क्रय केंद्रों पर दो- तीन दिन से तौल बंद पड़ी है। कहीं किसानों का गेहूं जमीन पर खुले में पड़ा है तो कहीं ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में लदा खड़ा है। भीषण गर्मी, धूलभरी आंधी, बारिश की आशंका और मंडियों में फंसे ट्रैक्टरों ने किसानों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं।

किसानों का कहना है कि बारदाना न होने से सरकारी खरीद सिर्फ कागजों में चल रही है। जिन किसानों ने किराये के ट्रैक्टर लगाए हैं, उनका रोज का भाड़ा बढ़ रहा है, जबकि निजी ट्रैक्टर मंडी में खड़े होने से खेत और दूसरे जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। कई किसान रात–दिन मंडी में डटे हुए हैं, ताकि बेसहारा पशु फसल खराब न कर दें।

जिम्मेदार अफसर ने नहीं उठाया फोन

यूनिक समय, मथुरा। जिला कृषि विपणन अधिकारी संतोष द्विवेदी को फोन किया गया, लेकिन उन्हेंने कॉल रिसीव नहीं की। वहीं, कई खरीद केंद्र संचालकों ने नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार किया कि बारदाने की कमी के चलते कई केंद्रों पर तौल कार्य प्रभावित और रुका हुआ है।

मघेरा निवासी बलराम ने कहा, तीन दिन से ट्रॉली मंडी में खड़ी है। रोज बोलते हैं कि बारदाना आता होगा, लेकिन कुछ नहीं हो रहा। किराये का ट्रैक्टर है, भाड़ा अलग चढ़ रहा है। किसान अब मंडी में फंसकर रह गया है।

भरना खुर्द के हरदयाल बोले, गेहूं नीचे पड़ा है, ऊपर से तेज गर्मी और धूलभरी हवा अलग। नुकसान कर रही है। तौल बंद होने से घर का सारा काम अटक गया। अधिकारी आते हैं, देखकर चले जाते हैं।"

नौगांव के छिद्दी ने कहा, दो दिन से मंडी में बैठे हैं। खाने–पीने तक की दिक्कत हो रही है। सरकार खरीद के बड़े दावे करती है, लेकिन यहां बोरा तक नहीं मिल रहा। किसान की कोई सुनवाई नहीं है।"

मघेरा के उद्धव पांडेय ने कहा, "अपना ट्रैक्टर मंडी में खड़ा है, इसलिए खेत के दूसरे काम बंद पड़े हैं। गेहूं ट्रॉली में लदा–लदा गर्म हो रहा है। किसान की हालत देखकर भी जिम्मेदार चुप बैठे हैं।"

मघेरा निवासी महेश ने कहा, "बारदाना नहीं होने से पूरा सिस्टम ठप पड़ा है। कई किसानों का गेहूं नीचे बिखरा पड़ा है। अगर जल्दी इंतजाम नहीं हुआ तो मेहनत और पैसा दोनों डूब जाएंगे।"

भरना खुर्द के मोहन श्याम बोले, "सरकारी खरीद केंद्र अब किसानों के लिए आफत बन गए हैं। तौल नहीं, भुगतान नहीं और ऊपर से मंडी में दिन–रात पहरा दो। किसान आखिर कब तक ये सब झेले?"

अधिक मास में गोवर्धन की यातायात व्यवस्था बदली

16 जून तक कई मार्गों पर रोक

श्रद्धालुओं के लिए विशेष पार्किंग व्यवस्था लागू

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन में अधिक मास के दौरान गिरिराज महाराज की परिक्रमा और दानघाटी मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने 17 मई से 16 जून तक विशेष यातायात व्यवस्था लागू कर दी है। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जमुनावता, नीमगांव, डीग रोड, राजीव तिराहा, महमूदपुर चौराहा, राधाकुंड, सौंख अड्डा और परिक्रमा मार्ग की ओर जाने वाले कई रास्तों पर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

जमुनावता से दानघाटी मंदिर आने वाले वाहनों को ब्लॉक तिराहा से राजीव तिराहा की ओर डायवर्ट किया जाएगा। नीमगांव फाटक तिराहा से डींग, बरसाना, छाता और मथुरा जाने वाले वाहन बाईपास होकर गुजरेंगे। डीग रोड नीमगांव बाईपास से कस्बा गोवर्धन की ओर वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। राजस्थान की ओर से आने वाले वाहनों को भी महमूदपुर बंबा बाईपास से ही भेजा जाएगा।

एकता तिराहा से राधाकुंड की ओर आने वाले वाहन जमुनावता की तरफ मोड़े जाएंगे, जबकि सौंख अड्डा, दानघाटी, हरजीकुंड, जतीपुरा अड्डा, पंचायत घर गांठौली, सरस्वती कुंड तिराहा, सकीतरा कट, नई तहसील, पीडब्ल्यूडी ऑफिस, मुखराई तिराहा और सुरभि गौशाला से परिक्रमा मार्ग की ओर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। श्री राधा मार्ग के कट–01 और कट–02 से भी राधाकुंड की ओर वाहन नहीं जा सकेंगे। हालांकि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन सेवाओं को छूट दी गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने श्मशान घाट, मेहारी धाम, रेड हॉट मिक्स प्लांट, जमुनावता हेलीपैड, निवोदिता विद्यामंदिर, मल्टीलेवल पार्किंग, गोवर्धन अनाज मंडी, चरकुला ग्लोबल पब्लिक स्कूल और जीलाल तिराहा सहित कई स्थानों पर छोटे–बड़े वाहनों, बसों और ट्रैक्टरों के लिए अलग–अलग पार्किंग स्थल निर्धारित किए हैं।

बिजली और पानी को लेकर लोगों का गुस्सा फूटा

बिजली–पानी की आपूर्ति को लेकर प्रदर्शन करते आक्रोशित लोग।

अधिकारियों का प्रतीकात्मक पुतला फूंका

यूनिक समय, वृंदावन। सीएफसी चौराहा क्षेत्र में बिजली पानी की समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

सीएफसी चौराहे के समीप आदर्श चाट वाली गली के लोगों ने पिछले 12 घंटे से जारी विद्युत कटौती और पीने के पानी में आ रही दुर्गंध से परेशान होकर नगर निगम और विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।

दोनों विभागों का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। क्षेत्र निवासी आजाद कुरैशी और गीता माहौर समेत अन्य प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भीषण गर्मी के इस मौसम में लगातार शिकायतें करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है।अधिकारियों की बेरुखी के कारण क्षेत्र के लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि बिजली आपूर्ति जल्द बहाल नहीं की गई और पीने के साफ पानी की व्यवस्था नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालों में सोनू, शुभम, डूंगर, हब्बूलाल, आनंद, प्रमोद, भोला, छोटे, कमलेश, विमला, सुनीता, कमला, बबली, मीना एवं सीता आदि शामिल थे।

अधिक मास में चलेगा भंडारा ठहरने की होगी व्यवस्था

यूनिक समय,बल्देव। अधिक मास के दौरान ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग स्थित श्री दाऊजी कोल्ड स्टोर बल्देव में परिक्रमार्थियों की सुविधा के लिए भंडारे और यात्री निवास की व्यवस्था की जाएगी। राधाकृष्ण सेवा मंडल के अध्यक्ष राकेश गोयल ने बताया कि इस बार अधिक मास में परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि अधिक मास के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। 29 मई को अखंड रामायण पाठ का आयोजन होगा। पांच जून से 12 जून तक भागवत कथा आयोजित की जाएगी।

वृद्ध माताओं के साथ गूंजा बाबा श्याम का संकीर्तन

कृष्णा कुटीर में अतिथि को सम्मानित करती पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट के बैनर तले वृंदावन स्थित कृष्ण कुटीर में वृद्ध माताओं के साथ श्री खाटू श्याम संकीर्तन एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया।

स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर राधा प्रसाद देव जू महाराज, महंत मोहिनी शरण महाराज तथा भूतेश्वर खाटू श्याम मंदिर के महंत भवानी पंडित के सानिध्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के सेवायत दिनेश गोस्वामी, डीपीओ चंद्र प्रकाश, कृष्ण कुटीर महिला आश्रय सदन की अध्यक्ष स्नेहिल पांडे तथा प्रबंधन शिल्पा ने बाबा श्याम की ज्योत प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ने लगभग 350 वृद्ध माताओं को वस्त्र वितरण किया। संचालन आशु शर्मा ने किया दिल्ली से आए भजन प्रवाहक राहुल चतुर्वेदी ने बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति दी. भजन प्रवाहिका किशोरी साध्वी अंजलि जी ने मातृत्व को समर्पित भावुक भजनों से सभी की आंखें नम कर दीं। संस्थापक राजीव अग्रवाल ने सभी का आभार जताया।

संगठन की शक्ति बूथ से लेकर राष्ट्र निर्माण तक

प्रशिक्षण वर्ग में मौजूद पार्टी के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी और भाजपा जिला महानगर द्वारा आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का रविवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न वक्ताओं ने संगठन की विचारधारा, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, किसान हित और बूथ सशक्तिकरण जैसे विषयों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। ब्रज क्षेत्र महामंत्री नागेंद्र सिकरवार ने कहा कि भाजपा केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रहित के लिए समर्पित संगठन है। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष-सांसद राजकुमार चाहर ने किसानों के हित में सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। महानगर अध्यक्ष राजू यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती ही राष्ट्र की मजबूती का आधार है। इस मौके पर यादवेंद्र प्रताप सिंह,विधायक श्रीकांत शर्मा,विधायक ठा. मेघ श्याम सिंह, विधान परिषद सदस्य ठाकुर ओम प्रकाश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी, महापौर विनोद अग्रवाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर, पन्नालाल गौतम,ज्ञानेंद्र राणा,डीएन गौतम,जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा,सतेंद्र सिरोही आदि मौजूद रहे।

बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की तीन बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक बाइक चोर को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन चोरी की मोटरसाइकिल बरमद की है।

थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गूर्जर ने बताया कि पुलिस टीम गांठौली तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। डीग की ओर जाने वाले रास्ते पर अभियुक्त सचिन उर्फ चैंटा निवासी आन्यौर को एक चोरी की बाइक साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने पुलिस को दो अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कराई। पुलिस ने अभियुक्त को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।